किफायती दरों में अपना विज्ञापन प्रकाशित करें और अपने व्यापार को और ऊँचाईयों पर ले जाएं।
संपर्क करें
7018631199

« आपकी आवाज़ »
हिमालयन अपडेट
www.himalayanupdate.com

Postal Regd. No.: HP/128/SML/2020-22
अपने क्षेत्र की समस्या के बारे में हमें लिखें
himalayanupdate@gmail.com
दूरभाष नं.
7018631199

वर्ष 5 | अंक 12 | पृष्ठ 8 | साप्ताहिक | शिमला | सोमवार 28 जून–4 जुलाई 2021 | मूल्य 5/- | RNI No. HPHIN/2017/73579

नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री ने अटल टनल रोहतांग का दौरा किया

शिमला, हिमालयन अपडेट

केन्द्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री नितिन गडकरी ने मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर के साथ अटल टनल रोहतांग का दौरा किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत वर्ष 3 अक्तूबर को मनाली से लाहौल–स्पीति को जोड़ने वाली 9.02 किलोमीटर लम्बी टनल को राष्ट्र को समर्पित किया था।

केन्द्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री का लाहौल स्थित उत्तरी छोर में जिला लाहौल–स्पीति के लोगों ने पारम्परिक तरीके से भव्य स्वागत किया।

शेष पृष्ठ 2 पर...

हिमाचल में चलेगी केबल कार, प्रदेश सरकार को पॉलिसी बनाने के दिए निर्देश

कुल्लू, हिमालयन अपडेट

देवभूमि कुल्लू पहुंचे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि जल्द ही यूरोपियन देशों की तर्ज पर हिमाचल में भी रोप–वे केबल कार चलाई जाएगी, ताकि पहाड़ों में भी लोगों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस बारे मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के साथ भी चर्चा की गई है और कहा गया है कि वह जल्द से जल्द इसके लिए संबंधित दस्तावेजों को पूरा करें। हिमाचल प्रदेश में रोप–वे केबल कार लगाने के लिए केंद्र सरकार की ओर से भी पूरी मदद की जाएगी। प्रदेश सरकार इसके लिए पॉलिसी तैयार करे और सरकार को भी इसका फायदा होगा।

प्रदेश में हाइड्रो पावर भी काफी ज्यादा है, यहां और बिजली भी उपलब्ध है।

शेष पृष्ठ 2 पर...

कश्मीर में जल्द होंगे चुनाव; महामंथन में प्रधानमंत्री ने दिया आश्वासन, बहाल होगा राज्य का दर्जा

नई दिल्ली, हिमालयन अपडेट

केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि जम्मू–कश्मीर में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनाव कराए जाएंगे तथा उसे पूर्ण राज्य का दर्जा भी दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जम्मू–कश्मीर के सियासी भविष्य के संबंध में वहां के राजनीतिक दलों के साथ विचार–विमर्श के लिए बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में नेताओं के साथ बातचीत में यह बात स्पष्ट की गई। बैठक में संविधान के अनुच्छेद 370 एवं 35 ए के बारे में कोई बात नहीं हुई, जबकि परिसीमन को लेकर बने गतिरोध को दूर करने की कोशिश की गई। प्रधानमंत्री ने सभी से परिसीमन की प्रक्रिया में शामिल होने की अपील की। बैठक में मोदी ने संदेश दिया कि जम्मू–कश्मीर से दिल्ली और दिल की दूरी कम होगी। करीब साढ़े तीन घंटे तक चली बैठक खुशनुमा माहौल में हुई। बैठक से निकलने के बाद सभी नेताओं ने कहा कि बैठक सकारात्मक एवं सौहार्द्रपूर्ण माहौल में हुई तथा प्रधानमंत्री ने सभी नेताओं की बात गौर से सुनी।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने कहा कि उन्होंने बैठक में पांच सूत्रीय मांगें रखीं थीं, जिनमें जम्मू–कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देना, विधानसभा के चुनाव कराना एवं लोकतंत्र बहाल करना, कश्मीरी पंडितों का पुनर्वास सुनिश्चित करना, राजनीतिक बंदियों की रिहाई तथा प्रवासन नियमों में बदलाव करना शामिल है। पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मैंने मीटिंग में जम्मू–कश्मीर के लोगों की मुसीबतें सामने रखीं। हमने कहा कि चीन के साथ आप बात कर रहे हैं। आपने पाकिस्तान से बातचीत की और इससे सीजफायर कम हुआ, इसका हम स्वागत करते हैं।

कोरोना महामारी की परीक्षा की घड़ी मे आशा की किरण बना योग: मुख्यमंत्री

शिमला, हिमालयन अपडेट

योग न केवल मानव को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखता है बल्कि यह शरीर और आत्मा के मध्य सन्तुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह बात मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने आज यहां पीटरहॉफ में अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस–2021 के अवसर पर प्रदेश के आयुष विभाग द्वारा वर्चुअल माध्यम से आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस–2021, योगा फोर वैल बींग विषय पर आधारित है, जो कि कोरोना महामारी के इस कठिन समय में बहुत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी न केवल एक आपदा है, बल्कि इस महामारी ने लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव डाला है। कोरोना महामारी के प्रतिबन्धों और इससे हुई क्षति के कारण लोग अवसाद और चिन्ता से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने अपनी वैबासइट पर बताया है कि योग लोगों को इस तरह के संकटों से निपटने में सहायक सिद्ध होता है। यह सन्देश लोगों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है।

जय राम ठाकुर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस का विचार वर्ष 2014 में सर्वप्रथम संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने भाषण में प्रस्तावित किया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सम्बोधन में कहा था कि योग भारत की प्राचीन परम्परा का अमूल्य उपहार है। उन्होंने योग के माध्यम से मानव और प्रकृति के बीच सामंजस्य का आहवान किया और उनकी इस पहल को 177 देशों का समर्थन मिला था, जो संयुक्त राष्ट्र के इस प्रकार के प्रस्ताव के लिए सह–प्रायोजकों की सबसे अधिक संख्या थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में योग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा की आयुष विभाग ने आर्ट ऑफ लिविग, योग भारती, विवेकानंद योग केंद्र आदि के सक्रिय सहयोग से इस वर्ष 14 मई को नए कार्यक्रम आयुष घर–द्वार का शुभारम्भ किया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत कोरोना मरीजों और अन्य लोगों को वर्चुअल माध्यम से योग और प्राणायाम का अभ्यास करवाया गया।

जय राम ठाकुर ने इस अवसर पर लोगों को वर्चुअल माध्यम से योग के प्रति प्रेरित करने के लिए आर्ट आफ लिविग के संस्थापक श्री श्री रवि शंकर का आभार व्यक्त किया।

स्वास्थ्य मंत्री डा. राजीव सैजल ने कहा कि प्रतिस्पर्धात्मक और तनाव भरे इस समय में योग शरीर और मस्तिष्क को राहत पहुचाने का एक उपयुक्त माध्यम बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि आयुष धर–द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत 1327 समूह गठित किए गए हैं। जिनके माध्यम से 53000 से अधिक लोगों को योग और प्राणायाम के लिए प्रेरित किया गया है।

आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर ने राज्य में योग को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि योग न केवल स्वस्थ और सुदृढ़ समाज के निर्माण में सहायता करता है, बल्कि सौहार्द को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश देवी–देवताओं की भूमि है और प्रदेश को स्वस्थ एवं समृद्ध राज्य बनाने के प्रयास जारी रखने चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने टीकाकरण अभियान में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने चिकित्सकों, अन्य पैरामेडिकल कर्मियों और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं का कोरोना महामारी के दौरान प्रतिबद्धता से कार्य करने के लिए आभार व्यक्त किया।

शेष पृष्ठ 2 पर...

नशे के विरुद्ध अधिक प्रतिबद्धता व कड़ाई से निपटने की आवश्यकता: राज्यपाल

शिमला, हिमालयन अपडेट

राजभवन में नशीली दवाओं के दुरूपयोग और अवैध तस्करी के विरुद्ध अन्तरराष्ट्रीय दिवस मनाया गया जिसका आयोजन हिमाचल प्रदेश पुलिस विभाग ने किया। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने भी इस समारोह में भाग लिया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल पुलिस की अपनी एक अलग पहचान है। प्रदेश पुलिस को अनुशासन, कत्र्तव्य के लिए प्रतिबद्धता और ईमानदारी के लिए जाना जाता है। इस पहचान को बनाए रखने के लिए उन्होंने मानसिक सन्तुलन और सकारात्मक गतिविधियां आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने विभाग के शीर्ष अधिकारियों को पुलिस कल्याणकारी गतिविधियों पर और अधिक कार्य करने को कहा।

उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति या परिवार बल्कि पूरे समाज को प्रभावित करता है इसलिए इस सामाजिक बुराई को समाप्त करने के लिए पुलिस प्रशासन को अधिक प्रतिबद्धता और कड़ाई से कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि पुलिस प्रशासन इस सामाजिक बुराई के खिलाफ हर सम्भव कदम उठा रहा है। उन्होंने लोगों से पुलिस प्रशासन द्वारा नशीली दवाओं के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सहयोग देने का आग्रह किया।

राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश को देवभूमि के नाम से जाना जाता है और यहां की संस्कृति व जीवनशैली बहुत समृद्ध है लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यहां भी नशीली दवाओं के दुरूपयोग की समस्या गम्भीर रूप से पैदा हो गई है और अगर इसे समय पर काबू नहीं पाया गया तो आने वाले दिनों में स्थिति और अधिक गम्भीर हो सकती है।

दत्तात्रेय ने राज्य सरकार द्वारा

शेष पृष्ठ 2 पर...

एक्चुअल परफार्मेंस से तैयार होगा रिजल्ट

प्री–बोर्ड, असेस्मेंट–मिड टर्म परीक्षाएं गंभीरता से न लेने वाले छात्रों पर गिरेगी गाज

शिमला, हिमालयन अपडेट

प्रदेश में जमा दो का परीक्षा परिणाम तैयार करने के लिए स्कूली स्तर पर विभिन्न कमेटियां गठित की गई हैं। एक स्कूल के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम और रिजल्ट टैबुलेशन तैयार करने के लिए एक कमेटी गठित की गई है। प्रत्येक कमेटी में विभिन्न संकायों से एक–एक लेक्चरर शामिल हैं। हालांकि विद्यार्थियों की पिछली परफार्मेंस के आधार पर ही उनका परिणाम तैयार किया जाना है, लेकिन ऐसे में कई विद्यार्थी ऐसे हैं, जो मिड टर्म की परीक्षाएं नहीं दे पाए हैं अथवा कोविड के चलते किसी विषय की परीक्षा नहीं दे पाए हैं।

ऐसे विद्यार्थी जो किसी एक विषय में फेल हो गए थे, तो उन्हें उस विषय के लिए बाकी पास विषयों में सबसे अधिक प्राप्तांक की प्रतिशतता के आधार पर अंक दिए जाएंगे। अगर पांच विषयों में से कोई विद्यार्थी एक विषय की परीक्षा नहीं दे पाया है, तो बाकि चार विषय में सबसे अधिक अंक वाले विषय की प्रतिशतता के आधार पर उस पांचवे विषय के लिए अंक दिए जाएंगे। अगर कोई विद्यार्थी दो विषयों में प्रोमोट है, तो उसका ओवरऑल रिजल्ट पास अर्थात 33 प्रतिशत बनेगा। अगर कोई विद्यार्थी जमा दो की मिड फर्स्ट टर्म, सेकंड टर्म, प्री बोर्ड अथवा अंग्रेजी विषय में अनुत्तीर्ण अथवा अनुपस्थित है, तो उसे एक्चुअल परफार्मेंस के आधार पर ही विषयवार वेटेज दी जाएगी।

जिस पेपर, असेस्मेंट अथवा कंपोनेट में छात्र अनुपस्थित हैं, तो उसे शुन्य अंक प्रदान किए जाएंगे। एक्चुअल परफार्मेंस के आधार पर अंक देने के चलते विद्यार्थी को कंपार्टमेंट अथवा फेल श्रेणी में भी रखा जा सकता है। ऐसे में उन विद्यार्थियों पर बहुत मुसीबत आ सकती है, जो मिड टर्म, असेस्मेंट अथवा प्री–बोर्ड को गंभीर परीक्षाएं नहीं मानते थे

शेष पृष्ठ 2 पर...

घर बैठे अपनी प्रति मंगवाने / बुक करवाने के लिए सम्पर्क करें

शिमला
ग्राम शाहल, डाकघर भौंट,
तहसील व जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश
हि.प्र.- 171006

चौपाल
हिमालयन अपडेट केयर आफ गोगटा लोकमित्र केंद्र
मडावग, डाकघर मड़ावग, तहसील चौपाल,
जिला शिमला हिप्र-171211

रामपुर बुशहर डिजीटल सेवा सिटी पुलिस चौकी के पास, रामपुर बुशहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश-172001

हमीरपुर 118 प्रतापनगर, वार्ड नं 3, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश।

मंडी एनजीपी ई-स्मार्ट लाईफ, केनरा बैंक के पास, नया बस स्टैंड, तहसील सुन्दरनगर, जिला मण्डी.175002

संकट में पीड़ितों का सहारा बनकर खड़ी है जयराम सरकार: प्रो. राम कुमार

ऊना, हिमालयन अपडेट

संकट के समय में अपनों को खो देने की अपूर्णीय क्षति की भरपाई तो नहीं की जा सकती लेकिन राज्य की जयराम सरकार इस संकट की घड़ी में प्रभावितों का सहारा बनकर साथ खड़ी है। यह बात राज्य उद्योग निगम के उपाध्यक्ष प्रो. राम कुमार ने हरोली में आयोजित राहत राशि चैक वितरण कार्यक्रम के दौरान कही। इस दौरान हरोली विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न आपदाओं से पीड़ित 56 परिवारों को 75 लाख रूपये की राशि के चैक वितरित किये गये। इनमें उप–तहसील दुलैहड़ के 8 परिवारों को 12 लाख व ईसपुर के 28 परिवारों को 25.79 लाख तथा हरोली तहसील के 20 परिवारों को 37 लाख रूपये की राशि के चैक प्रदान किये गये।

उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार दुर्घटना, प्राकृतिक आपदा, कृषि, पशुधन क्षति इत्यादि की भरपाई करने के उद्देश्य से पीड़ित परिवारों को करोड़ों रूपयों की आर्थिक सहायता प्रदान करके विपत्ति के समय उनकी मददगार बनी है। उन्होंने बताया कि वर्तमान राज्य सरकार द्वारा वृद्धावस्था पैंशन की आयुसीमा को 80 वर्ष से कम करके 70 साल किया गया है, जबकि चालू वित्त वर्ष के बजट के दौरान महिलाओं के लिए आयुसीमा 65 वर्ष कर दी गई है जिसके तहत 1500 रूपये प्रतिमाह उन्हें पैंशन प्रदान की जा रही है। इसके अलावा सहारा योजना को भी लागू किया गया है जिसके अन्तर्गत गंभीर बीमारी से पीड़ित होने पर तथा काम करने की क्षमता खो देने वाले व्यक्ति को चिकित्सा जांच के उपरांत 3000 रूपये प्रतिमाह पैंशन प्रदान की जाएगी।

प्रो. राम कुमार ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति इलाज करवाने से वंचित न रहे के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आयुष्मान योजना आरम्भ की गई है। जिसमें गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए परिवार के 5 लोगों को 5 लाख रूपये तक बीमित किया गया है।

इसके अलावा बीपीएल, मजदूर, रेहड़ी–फड़ी, मिस्त्री इत्यादि के कार्यों में आय अर्जित करने वाले लोगों को अपनी गंभीर बीमारियों का इलाज करवाने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा हिम केयर योजना आरंभ की गई है जिसमें एक साल के लिए 365 रूपये के प्रीमियम पर इन परिवारों के पांच सदस्यों को 5 लाख रूपये की राशि तक इलाज करवाने की सुविधा प्रदान की गई है।

उन्होंने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि कोरोना की दूसरी लहर में हरोली विधानसभा क्षेत्र में भी कई लोगों ने अपनों को खोया है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा वैक्सीनेशन कार्यक्रम को आज से और तेज किया जा रहा है तथा किसी प्रकार के भ्रामक प्रचार में न आकर शीघ्र टीकाकरण करवाएं तथा स्वयं व अपने परिवार को सुरक्षित रखें। इसके अलावा कोविड सुरक्षा नियमों का पालन भी बनाए रखें।

इस अवसर पर हरोली भाजपा मंडलाध्यक्ष नरेन्द्र राणा, महामंत्री गुलविंदर गोल्डी, जिला परिषद् सदस्य ओंकार राणा व कमल सैणी, बीडीसी चेयरमैन रजनी बाला, तहसीलदार हरोली विपिन ठाकुर, पूर्व जिला परिषद् सदस्य अनूप राणा, प्रधान ग्राम पंचायत हलेड़ा बिलणा सतनाम सिंह छिंदा, प्रधान बटकलां रोजी, प्रधान अश्वनी कुमार, राम लाल लाला तथा कमल चैधरी भी उपस्थित थे।

प्रदेश में 29 से बुलाए कालेजों के शिक्षक परीक्षाओं से पहले कोविड नियमों की पालना की पूरी तैयारी

शिमला, हिमालयन अपडेट

प्रदेश के डिग्री कालेजों में 29 जून से प्रिसिंपल सहित जरूरी स्टॉफ आएगा। शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर कहा कि यूजी फाइनल ईयर के एग्जाम शुरू होने से पहले कालेज प्रबंधन तैयारियां करें। प्रिसिंपल सहित जरूरी स्टाफ कालेज में आकर सेनेटाइजेशन से लेकर स्वास्थ्य किट की व्यवस्था करें। इसके साथ ही किस तरह से परीक्षा केंद्रो में दो गज की दूरी बनानी है, इस पर भी पहले से ही तैयारियां करने के आदेश शिक्षा विभाग ने जारी किए है। फिलहाल विभाग की ओर से कालेजों को जारी आदेशों में कहा गया है कि प्रदेश के डिग्री कालेजों में 29 जून से कोरोना वायरस से बचाव के लिए सेनेटाइजेशन अभियान शुरू होगा। इसी दिन से कालेजों में शिक्षकों को भी बुलाना शुरू कर दिया जाएगा। शिक्षकों की देख रेख में सेनेटाइजेशन करवाया जाएगा। उच्च शिक्षा निदेशालय ने जुलाई से शुरू होने जा रही है फाइनल ईयर की परीक्षाओं की तैयारियां शुरू कर दी है। शिक्षा निदेशक डा. अमरजीत कुमार शर्मा ने बताया कि परीक्षाओं से दो दिन पहले सभी कालेज परिसरों में सेनेटाइजेशन होगा। कालेज प्रिंसिपल्स को जरूरत के हिसाब से शिक्षकों को बुलाने के लिए कह दिया है। उन्होंने कहा कि कालेजों में परीक्षाओं के लिए शिक्षा विभाग पूरी तरह से तैयार है। 28 और 29 जून को फाइनल ईयर के विद्यार्थियों सहित 18 वर्ष से अधिक आयु के विद्यार्थियों को वैक्सीन लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

दलाश में मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के हाथों जल्द हिगा बहुतकनीकी संस्थान का शिलान्यास

आनी, हिमालयन अपडेट

आनी विकास खण्ड के अंतर्गत दलाश पंचायत प्रधान एवम भाजपा किसान मोर्चा आनी के अध्यक्ष सत्येन्द्र शर्मा ने प्रैस को जारी ब्यान में कहा कि बहुत जल्द प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर का दलाश क्षेत्र का दौरा करवाया जाऐगा और यहां चल रहे विकासात्मक कार्यों जैसे पॉलीटेक्निक संस्थान, बस सटैड का निर्माण, दलाश अस्पताल में 30 बैड का भवन व आई.पी.एच. सबडिवीजन के भवन निर्माण इन सभी विकासात्मक कार्यों का प्रदेश के मुख्यमंत्री ठा. जय राम के हाथों से शिलान्यास करवाया जाऐगा।

उन्होंने दलाश में आई.टी.आई.भवन के निर्माण का कार्य प्रगति पर है।उन्होंने इस तोहफे के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, विधायक किशोरी लाल सागर व ए.पी.एम.सी. चेयरमैन अमर ठाकुर का आभार जताया। प्रधान सत्येंद्र शर्मा ने कहा कि दलाश क्षेत्र में भाजपा सरकार के कार्यकाल में विकास को गति मिली है। उन्होंने कहा कि इन दिनों दलाश – च्वाई – शमशर सडक पर करीब 25 करोड़ से सडक की मुरमत व टायरिंग का काम चला है तथा रूना – जुंडवा – आनी सडक को भी पक्का किया जा रहा है।

उन्होंने स्थानीय जनता को विश्वास दिलाया है कि जल्द प्रदेश के मुख्यमंत्री का दलाश दौरा करवाया जाऐगा और यहां के विकास कार्यों का शिलान्यास करवाया जाऐगा।

आबकारी ठेकों का आवंटन

सोलन, हिमालयन अपडेट

राज्य कर एवं आबकारी विभाग द्वारा वर्ष 2021–22 के लिए राजस्व जिला सोलन तथा राजस्व जिला बद्दी के शेष बचे आबकारी ठेकों (मदिरा के ठेकों) का आवंटन ड्रा ऑफ लॉट के माध्यम से किया गया। यह जानकारी राज्य कर एवं आबकारी विभाग के राजस्व जिला सोलन के उप आयुक्त हिमांशु पंवर ने दी।

हिमांशु पंवर ने कहा कि 25 जून को आयोजित आवंटन प्रक्रिया में राजस्व जिला बद्दी की आठ आबकारी दुकानों की एक इकाई (एक्सपोर्ट पार्क बरोटीवाला) का ड्रा ऑफ लॉट के माध्यम से आवंटन किया गया। इस इकाई का कुल मूल्य 5.97 करोड़ रुपए है। उन्होंने कहा कि इस इकाई के लिए कुल 13 आवेदन प्राप्त हुए थे। उन्होंने कहा कि राजस्व जिला बद्दी की 14 इकाईयों, जिनमें 70 आबकारी दुकानें हैं की बिक्री पूर्व में ही नवीकरण के माध्यम से की जा चुकी है। इनका कुल मूल्य 51.65 करोड़ रुपए है। राजस्व जिला बद्दी में 57.62 करोड़ रुपए मूल्य की कुल 15 इकाईयां हैं।

राज्य कर एवं आबकारी उप आयुक्त ने कहा कि राजस्व जिला सोलन में कुल 21 इकाईयां हैं। इनका कुल मूल्य लगभग 70 करोड़ रुपए है। उन्होंने कहा कि इनमें से 54 करोड़ रुपए मूल्य की 19 इकाईयों का नवीकरण कर दिया गया है। राजस्व जिला सोलन की 01 इकाई (देहूंघाट–जाबली–परवाणु) के लिए कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ। ड्रा ऑफ लॉट के माध्यम से 5.52 करोड़ मूल्य की एक इकाई (जौणाजी रोड) का आवंटन किया गया।

उन्होंने कहा कि सभी इकाईयों का आवंटन वर्ष 2021–22 के शेष 09 माह के लिए किया गया है।

हिमांशु पंवर ने कहा कि आवंटन प्रक्रिया निर्धारित मानदण्डों के अनुसार पारदर्शी तरीके से पूर्ण की गई।

इस अवसर पर आवंटन प्रक्रिया के लिए गठित चयन समिति के सदस्य सोलन जिला के अतिरिक्त उपायुक्त अनुराग चन्द्र शर्मा, पीठासीन अधिकारी, नियन्त्रक आर.डी. जनार्था, राज्य कर एवं आबकारी विभाग की उप आयुक्त वसुन्धरा, वे स्वंय तथा राज्य कर एवं आबकारी विभाग के राजस्व जिला बद्दी के उप आयुक्त वरूण कटोच उपस्थित रहे।

पृष्ठ 1 का शेष

हिमाचल में चलेगी केबल कार...

निजी क्षेत्र में भी इसे चलाने का प्रयास किया जाएगा। विदेशी निवेशकों को भी बुलाया जाएगा और इसका एमओयू भी साइन किया जाएगा। वहीं, अब दिल्ली से कुल्लू के सफर की दूरी भी कम हो जाएगी और दो साल के भीतर ही दिल्ली से कुल्लू मात्र सात घंटे में सफर पूरा होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दिल्ली से लुधियाना और रोपड़ होते हुए एक्सप्रेस हाई–वे और कुल्लू तक फोरलेन जल्द बनेगा। इससे पर्यटकों को लाभ मिलेगा और दो साल के भीतर ही इसका निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। केंद्र सरकार जल्द ही फ्लेक्स इंजन पॉलिसी लाने पर भी विचार कर रही है।

नशे के विरुद्ध अधिक प्रतिबद्धता..

नशे की अवैध तस्करी को रोकने के लिए ड्रग–फ्री हिमाचल ऐप का शुभारम्भ करने के सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि तकनीक के माध्यम से हम समाज को परिवर्तित कर सकते हैं। उन्होंने गैर–सरकारी संगठनों से नशा विरोधी जागरूकता अभियान में सम्मिलित होने का आग्रह किया। उन्होंने नशीले पदार्थों से जुड़े हुए मामलों से निपटने के लिए डिजिटल सपोर्ट विकसित करने और तस्करी तथा अपराध के सम्बन्ध में जागरूकता फैलाने के लिए सोशल मीडिया टूल का उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

राज्यपाल ने कहा कि नशीली दवाओं के दुरूप्योग और अवैध तस्करी के खिलाफ अन्तरराष्ट्रीय दिवस समुदाय को नशे से मुक्त करने की ओर हमारा एक साझा प्रयास है। आज हम कोरोना महामारी और नशे की अवैध तस्करी के खिलाफ दो मोर्चों पर लड़ रहे हैं, लेकिन हमारा पुलिस बल दोनों ही मोर्चों पर उत्कृष्ट कार्य कर रहा है।

उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्था के राष्ट्रीय औषधि निर्भरता उपचार केन्द्र के माध्यम से नशीले पदार्थों के अत्याधिक उपयोग और प्रतिमान पर एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण किया जिसमें पाया गया कि 10 से 75 वर्ष की आयु के लगभग 14.6 प्रतिशत जिसके अन्तर्गत लगभग 16 करोड़ लोग आते हैं, शराब का सेवन कर रहे हैं। लगभग 5.2 प्रतिशत यानी 5.7 करोड़ से अधिक लोग शराब की निर्भरता से प्रभावित हैं जिसका अर्थ है कि भारत में हर तीसरे शराब उपयोगकर्ता को शराब से होने वाली समस्याओं से निपटने के लिए सहायता की आवश्यकता है। इससे हम समझ सकते हैं कि स्थिति कितनी गम्भीर है। उन्होंने नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों से निपटने में पुलिस अधिकारियों के प्रयासों और कड़ी मेहनत की सराहना की।

पुलिस महानिदेशक ने कहा कि हम छोटे तस्करों को छोड़कर बड़े तस्करों को पकड़ रहे हैं ताकि इस सामाजिक बुराई को जड़ से समाप्त किया जा सके। उन्होंने प्रदेश में पुलिस विभाग द्वारा चलाए जा रहे नशामुक्त अभियान और नशा निवारण पर किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज अन्तरराज्यीय समन्वय पहले से अधिक बेहतर है, जिससे नशे के तस्करों से संबंधित जानकारी प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि नशे सम्बन्धित आतंकवाद को समाप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत 2126 मामले दर्ज किए गए हैं और 1 जनवरी 2020 से 30 अप्रैल 2021 के दौरान 2909 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने इसी दौरान 682.72 किलोग्राम चरस, 15.88 किलोग्राम हेरोइन, 50.33 किलोग्राम अफीम, 4805.91 किलोग्राम अफीम की भूसी, 376.91 किलोग्राम गांजा, 128330 सिंथेटिक टैबलेट और अन्य प्रतिबंधित 52194 कैप्सूल जब्त किए हैं। प्रतिबंधित पदार्थों की आपूर्ति कम करने के लिए एकीकृत खुफिया अभियान के अंतर्गत 7917 बीघा भूमि पर 12,52,455 भांग के पौधों की अवैध खेती और 52 बीघे में 2,66,353 पोस्त के पौधों को बड़े पैमाने पर नष्ट किया गया है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में कोरोना लॉकडाउन के दौरान मण्डी जिला की चैहार घाटी की उप–तहसील टिक्केन पधर के दुर्गम इलाके में 66 बीघे जमीन पर 15 लाख पोस्त के पौधों की अवैध खेती का पता लगाने में पुलिस ने सफलता हासिल की। उन्होंने बताया कि राज्य पुलिस ने जनवरी 2020 से अप्रैल 2021 तक 19 मामलों में 11.37 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क करने में सफलता हासिल की है।

कोरोना महामारी की परीक्षा की घड़ी मे...

प्रधान सचिव आयुष ओंकार चन्द शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय वर्चुअल माध्यम से इस आयोजन से जुड़े जबकि शहरी विकास मंत्री सुरेश भारद्वाज, सांसद एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप, संगठन सचिव पवन राणा, राज्य हस्तशिल्प और हथकरघा निगम के उपाध्यक्ष संजीव कटवाल, नगर निगम शिमला की महापौर सत्या कौण्डल, उप–महापौर शैलेन्द्र चैहान, पुलिस महानिदेशक संजय कुंडू, एचजेवीएनएल के अध्यक्ष एवं कार्यकारी निदेशक नन्दलाल शर्मा, उपायुक्त शिमला आदित्य नेगी, निदेशक सूचना एवं जन सम्पर्क हरबंस सिंह ब्रसकोन, पुलिस अधीक्षक मोहित चावला और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मुख्यमंत्री के साथ पीटहॉफ में उपस्थित थे।

एक्चुअल परफार्मेंस से...

और यह मान कर चले थे कि वे फाइनल परीक्षाओं में अच्छी परफार्मेंस देंगे। अब फाइनल परीक्षाएं न होने के चलते इन विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम बहुत प्रभावित हो सकता है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. सुरेश कुमार सोनी ने 28 जून तक अंकों की सूची अपलोड करने के निर्देश दिए हैं और 29 जून तक टैबुलेशन चार्ट की जांच करके संशोधन के साथ अंतिम अपलोड करना होगा।

नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री ने अटल टनल...

केन्द्रीय मंत्री ने टनल के दक्षिणी छोर में मीडिया के साथ बातचीत करते हुए इस टनल के निर्माण के लिए सीमा सड़क संगठन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश में 19 सुरंगों का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें 8 सुरंगों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। शिक्षा मंत्री गोविन्द सिंह ठाकुर, जनजातीय विकास मंत्री डॉ. राम लाल मारकण्डा, विधायक किशोरी लाल सागर व सुरेन्द्र शौरी, अतिरिक्त मुख्य सचिव राम सुभग सिंह और जे.सी. शर्मा, पुलिस महानिदेशक संजय कुंडू, प्रधान सचिव लोक निर्माण विभाग शुभाशीष पांडा भी इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री के साथ उपस्थित थे।

मिड डे मील वर्कर्ज को तोहफा, बढ़ी सैलरी देने को अधिसूचना जारी, अप्रैल से मिलेगा फायदा

शिमला, हिमालयन अपडेट

प्रदेश के 22 हजार मिड डे मील वर्करों को राहत भरी खबर है। अब सभी स्कूल प्रिसिंपल को बढ़ा हुआ वेतन मिड डे मील वर्करों को देना होगा। शिक्षा विभाग ने सभी प्रिसिंपल को इन आदेशों को लागू करने को कहा है। अप्रैल 2021 से वर्करों को 300 रुपए बढ़ा हुआ वेतन मिलेगा। राज्य के सरकारी स्कूलों में प्रदेश सरकार की अधिसूचना के बाद अब मानदेय में 300 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। शिक्षा विभाग की ओर से इस बारे में सभी स्कूल प्रिसिंपल को तुरंत प्रभाव से सभी अधिसूचना को लागू करने के आदेश जारी किए गए हैं।

प्रदेश के करीब 22 हजार मिड डे मील वर्करों के मानदेय में सरकार ने 300 रुपए की बढ़ोतरी की है। इन कर्मियों को अब 2600 रुपए प्रति माह मानदेय मिलेगा। पहले इन्हें 2300 रुपए प्रति माह मानदेय दिया जाता था। बढ़ा हुआ मानदेय अप्रैल महीने से लागू होगा। अप्रैल और मई का मानदेय एरियर के रूप में मिलेगा, जबकि जून महीने का मानदेय बढ़कर आएगा। संयुक्त निदेशक प्रारंभिक शिक्षा हितेश आजादी ने इसकी पुष्टि की है। बता दें कि मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने अपने बजट भाषण में मिड डे मील वर्करों के मानदेय बढ़ाने की घोषणा की थी। इसको लेकर विभाग द्वारा अधिसूचना जारी कर दी है

जुलाई अंत तक ऊना अस्पताल में स्थापित होगा आक्सीजन प्लांट, निर्माण कार्य जारी

ऊना, हिमालयन अपडेट

क्षेत्रीय अस्पताल ऊना में जुलाई अंत तक ऑक्सीजन प्लांट स्थापित कर दिया जाएगा। यह जानकारी छठे राज्य वित्तायोग के अध्यक्ष सतपाल सिंह सत्ती ने देते हुए बताया कि अस्पताल में 1000 एलपीएम क्षमता वाले प्लांट की स्थापना के लिए निर्माण कार्य शुरू हो गया है, जिसके बाद डीआरडीओ प्लांट की मशीनरी इसमें स्थापित करेगा।

सत्ती ने कहा कि दो–तीन दिन में क्षेत्रीय अस्पताल के अंदर तक ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए पाइप लाइन बिछाने का कार्य शुरू हो जाएगा। ऑक्सीजन प्लांट की मशीनरी स्थापित होने के बाद इसे पाइप लाइन के साथ जोड़ा जाएगा, जिससे अस्पताल में 200 बैड को निरंतर ऑक्सीजन की सप्लाई मिल पाएगी। आने वाले समय में पाइप के माध्यम से ऑक्सीजन की सप्लाई निर्माणाधीन मातृ–शिशु अस्पताल को भी दी जाएगी।

छठे राज्य वित्तायोग के अध्यक्ष सतपाल सिंह सत्ती ने कहा कि ऑक्सीजन प्लांट प्रदेश सरकार, केंद्र की सहायता से लगा रही है। पूरे हिमाचल प्रदेश में पीएम–केयर्स फंड से कुल 6 ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं, जिनमें से एक क्षेत्रीय अस्पताल ऊना में लगाया जा रहा है।

सतपाल सिंह सत्ती ने कहा कि इस प्लांट को शुरू करने के लिए 29 लाख रुपए की लागत से जनरेटर तथा 8 लाख रुपए की लागत से ट्रांसफॉर्मर भी लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रयास कर रही है। प्रदेश सरकार ने ऊना क्षेत्रीय अस्पताल को 300 बैड का बनाने का फैसला किया तथा इसके साथ ही विभिन्न श्रेणियों में 76 पद भरने को भी मंजूरी दी है। साथ ही मदर एंड चाइल्ड अस्पताल का निर्माण कार्य भी युद्ध स्तर पर चल रहा है। सरकार के इन फैसलों से जिला ऊना की जनता को आने वाले समय बहुत बड़ा लाभ मिलेगा तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होंगी।

अगर नहीं हुई बहाली तो कोर्ट ही रास्ता

- हमीरपुर मेडिकल कॉलेज से निकाली नर्सें मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर से मिली
- पालिसी बनाने की उठाई मांग

शिमला, हिमालयन अपडेट

राधाकृष्ण मेडिकल कालेज हमीरपुर की हाल ही में टर्मिनेट की गई नर्सें मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर से मिली और अपने लिए पॉलिसी बनाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि अगर कैबिनेट में सरकार उनके लिए कोई निर्णय नहीं लेती है तो उनके पास केवल कोर्ट जाने का ही रास्ता बचेगा। आउटसोर्स पर कार्यरत नर्स पूनम, पूजा, भवानी ठाकुर ने बताया कि वह जुलाई 2019 से हमीरपुर मेडिकल कालेज में आउटसोर्स पर ड्यूटी दे रही उसके बाद कोविड आया तो उनकी ड्यूटी कोविड में लगा दी गई। उन्होंने दिनरात कोविड में भी सेवाएं दी। परिवार के कई लोग उनके कारण संक्रमित भी हुए। मगर अब सरकार ने उनके साथ यूज एंड थ्रो वाली नीति अपनाकर हमे बाहर कर दिया है।

पूनम ने बताया कि 16 जून को वह ड्यूटी पर थी तो किसी ने कहा कि उनके लिए सरकार पॉलिसी बना रही है, मगर 17 जून को उन्हें ड्यूटी पर आने से मना कर दिया गया। हालांकि उन्हें ना तो प्रशासन की ओर से कोई टर्मिनेशन लेटर दिया गया और ना ही उन्हें ड्यूटी आने को कहा गया। जब इसका कारण पूछा गया तो हमे प्रशासन ने बताया कि आप लोगों को केवल कोरोना ड्यूटी के लिए रखा गया था। ऐसे में अब नर्सें काफी परेशान हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि वह 42 नर्सें एक साथ वहां पर लगी थी, जिन्हें सरकार ने निकाल दिया है। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री से मिली हैं। उन्होंने आश्वासन दिया है कि वह जल्द ही उनके लिए पॉलिसी बनाएंगे। यदि सरकार ऐसा नहीं करती है तो नर्सों के पास कोर्ट जाने के सिवाए कोई रास्ता नहीं बचेगा।

सिरमौर में शादी के बाद पैसे और गहने लेकर हो जाती थी फरार, लुटेरी दुल्हन गिरफ्तार

सिरमौर, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश की सिरमौर पुलिस ने शादी के नाम पर लोगों को ठगने वाली एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शादी के नाम पर धोखाधड़ी कर आभूषण और पैसे ऐंठने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है. गिरोह के लोग शातिराना अंदाज में ठगी करते थे।

युवती का नाम और पहचान बदल उसे दुल्हन बनाकर शादी करवाने के बाद ठगी करते थे. हरियाणा के एक व्यक्ति की शिकायत के बाद पुलिस ने यह खुलासा किया. गिरोह में शामिल लुटेरी दुल्हन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, किसने करवाई थी शिकायत आरोपी युवती के खिलाफ हरियाणा के चंडी मंदिर थाना में भी ऐसी ही धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज है। सिरमौर पुलिस ने मामले में सात और लोगों को नामजद कर छानबीन तेज कर दी है।

हरियाणा के यमुनानगर जिले के बिलासपुर के ग्राम पीपलीवाला निवासी बब्बर सिंह ने पांवटा थाना में इस मामले की शिकायत दर्ज करवाई थी और आरोप लगाया था कि हरियाणा निवासी दो लोग उसके संपर्क में आए. उन्होंने हिमाचल में जान–पहचान और रिश्तेदारी होने का हवाला देते हुए उसका विवाह कराने का प्रस्ताव रखा। इस पर मैंने शादी करने के लिए हां कर दी। लड़की से मिलवाया 10 फरवरी 2021 को हरियाणा निवासी दोनों आरोपियों ने एक लड़की से उसकी मुलाकात माजरा में करवाई. मौके पर मौजूद दंपती ने बताया कि यह उनके ताऊ की बेटी है। लड़की के माता– पिता की मौत हो चुकी है। रजामंदी होने पर 14 फरवरी 2021 को फोन करके शगुन लाने के लिए बुलाया गया. बाद में 20 मार्च 2021 को पांवटा साहिब में शादी हुई। उसी दिन पांवटा के एक होटल शादी की पार्टी भी रखी गई. शिकायतकर्ता बब्बर सिंह का कहना है कि आरोपियों ने दुल्हन बनी युवती के परिजनों का कर्ज चुकाने को उनसे डेढ़ लाख रुपये भी लिए।

ऊना मे स्कूल के व्हाट्सप्प ग्रुप से चुराए छात्राओं के नंबर, फिर अश्लील मैसेज भेजे

ऊना. हिमालयन अपडेट

कोरोना काल में स्कूल बंद हैं। ऐसे में बच्चे ऑनलाइन पढ़ाई कर रहे हैं। कई सोशल मीडिया प्लेफार्म के जरिये ऑनलाइन क्लासेज लग रही है। ऑनलाइन पढ़ाई के फायदे भी हो रहे हैं नुकसान भी। ताजा मामला हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले से है, ऊना जिले के दौलतपुर चौक क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल का यह मामला है।

बताया जा रहा कि एक शरारती ने फेक आईडी बनाकर पहले तो स्कूल की एक कक्षा के व्हाट्सएप ग्रुप से छात्राओं के नम्बर चुराए, फिर आरोपी ने अध्यापिका की फ़ोटो लगाकर लड़कियों को व्हाट्सएप पर आपत्तिजनक मैसेज भेजने शुरू कर दिए। परेशान होकर छात्राओं ने इसकी शिकायत स्कूल प्रशासन से की। स्कूल प्रशासन ने ऊक्त शरारती तत्व को पकड़ने की काफी कोशिश की, लेकिन जब स्कूल प्रशासन इसमें सफल न हो पाया, तो मामले की गम्भीरता को देखते हुए स्कूल प्रशासन ने इसकी शिकायत पुलिस चौकी दौलतपुर चौक में दी।

स्कूल प्रधानाचार्य ने बताया कि ऊक्त शरारती तत्व फेक फ़ोटो लगाकर छात्राओं को परेशान कर रहा था और उसके द्वारा छात्राओं को आपत्तिजनक मेसेज भेजने पर स्कूल प्रशासन ने कड़ा संज्ञान लेते हुए पुलिस के पास शिकायत दर्ज करवाई है, ताकि ऊक्त शरारती तत्व को शीघ्रा अति शीघ्र पकड़ा जा सके। चौकी प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि ऊक्त मामले की एक शिकायत स्कूल प्रशासन ने उन्हें सौंपी है,जिस पर संज्ञान लेते हुए उन्होंने इस मामले को उन्होनें साइबर क्राइम सेल को भेज दिया है।

प्रतिबंधित कफ सिरप की साठ बोतलों संग दो पेडलर पुलिस के शिकंजे में

नेरवा, हिमालयन अपडेट

पुलिस ने नशा तस्करों के विरुद्ध शिकंजा कसते हुए सोमवार को दो मामलों में दो ड्रग पैडलर प्रबंधित कफ सिरप नशे की साठ बोतलों की खेप के साथ हिरासत में लिए है ! पहले मामले में करीब सवा सात बजे एएसआई संजय के नेतृत्व में शामिल आरक्षी पवन व आरक्षी समीरकान्त की टीम बानीपुल के समीप गश्त पर थी ! गश्त के दौरान मोटर साइकिल संख्या युऐ 07 एस–9052 पर फेडिज़पुल की तरफ से नेरवा की तरफ आ रहे ध्रुव घुंटा उर्फ़ गिरीश कुमार,आयु बीस वर्ष, पुत्र भूपिंदर घुंटा,गाँव घुंटाडी,डाकघर नेरवा के कब्जे से सौ सौ एमएल की कोडीन फॉस्फेट और क्लोफेनिरामाइन मैलेट सिरप (चोको) की 40 बोतलें बरामद की गई है !

दूसरे मामले में लेडीज हेड कांस्टेबल शमीम के नेतृत्व में पुलिस टीम में शामिल लेडी कांस्टेबल अम्बिका,कांस्टेबल नरेंद्र व चालक एचइसाई मदन लाल उत्तराखंड की सीमा के समीप फेडिज़पुल से गुजरने वाले वाहनों की रूटीन चेकिंग कर रहे थे, इस दौरान पुलिस टीम ने गुम्मा की तरफ से रोहड़ू की ओर जा रही ट्रैक्स टैक्सी संख्या एचपी 01 ऐ–4405 को निरिक्षण हेतु रोका गया ! टैक्सी की तलाशी लेने पर चालक विजेंद्र,पुत्र,मनोज कुमार आयु 24 वर्ष,निवासी गाँव व डाकघर सीमा,तहसील रोहड़ू के कब्ज़े से सौ सौ एमएल की कोडीन फॉस्फेट और क्लोफेनिरामाइन मैलेट सिरप (बायोरेक्स) की 20 शीशी बरामद की गई ! पहले मामले में 22–61–85 एनडी एंड पीएस तथा दूसरे मामले में एनडी एंड पीएस की धारा 22,25–61–85 के तहत मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है ! एसडीपीओ चौपाल राज कुमार ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि नशे के साथ पकडे गए दोनों आरोपितों को न्यायालय में पेश कर रिमांड लेने के बाद इस बात की जांच की जाएगी कि यह नशे की खेप को कहाँ से लेकर आये थे !

अज्ञात जेसीबी दुर्घटनाग्रस्त, ऑपरेटर व मालिक का पता नहीं

आनी, हिमालयन अपडेट

नेशनल हाइवे 305 पर खनाग के समीप एक जेसीबी मशीन पहाड़ी से नीचे लुढ़क गयी। जिससे कि मशीन को भारी नुकसान पहुंचा है। घटना की सूचना मिलते ही आनी पुलिस की टीम मौके की ओर रवाना हो गयी है। पुलिस थाना आनी के थाना प्रभारी चिंत राम के अनुसार घटना सोमवार देर रात की बताई जा रही है। जिसकी जानकारी मंगलवार सुबह यहां से गुज़रते लोगों ने पुलिस को दी। लेकिन पुलिस के घटनास्थल पर पहुंचने पर वहां कोई भी मौजूद नहीं है। जबकि जेसीबी मशीन के मालिक की भी अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

कॉंग्रेस टिकट पर लड़ूंगा चौपाल से अगला चुनाव–रजनीश कीमटा

चौपाल, हिमालयन अपडेट

कांग्रेस पार्टी संसदीय सीट मंडी, विधानसभा सीट फतेहपुर और जुब्बल कोटखाई पर मध्यावधि चुनाव में रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल करेंगी। यह बात प्रदेश कांग्रेस महासचिव रजनीश किमटा ने चौपाल में आयोजित एक प्रेस वार्ता में कही। भाजपा सरकार की देश और प्रदेश में भाजपा की जन विरोधी नीतियों ने आम जनता को कुचला है। जिन मुद्दों पर भाजपा जीती थी वे सब भूल चुकी है। देश और प्रदेश में महंगाई, भ्रष्टाचार बड़ा है। देश और प्रदेश में भाजपा सरकार की नाकामियों की वजह से कोरोना महामारी फैली है। इन सभी नाकामियों के चलते प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी भारी बहुमत से विजयी होंगे।

उन्होंने कहा कि चौपाल में विधायक विकास करने में नाकाम रहें है। विधायक ने चुनाव के दौरान जो वायदे किये थे वे पुरे नहीं किये और जनता के साथ धोखा किया है। आगामी विधानसभा चुनाव में जनता उन्हें करारा जवाब देगी। एक पत्रकार द्वारा पूछे गए प्रश्न के जवाब में रजनीश कीमटा ने कहा कि वे स्वंय भी चौपाल से आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेगें। उन्होंने सभी विरोधियों की अटकलों पर विराम लगा दिया है, उन्होंने कहा कि वे पिछले तीस वर्षों से कांग्रेस पार्टी के लिए काम कर रहें है और अब समय आ गया है और वे सौ प्रतिशत चुनाव लड़ेंगे। इस अवसर पर कॉंग्रेस प्रदेश सचिव चंद्रमोहन ठाकुर, ब्लॉक अध्यक्ष सुरेन्द्र मोहन मेहता, मदन सरेगटा, जगदीश जिंटा, बलवंत नेगी, दिनेश भोटा, देवेन्द्र औकटा, नरवीर भोटा, कँवर जिंटा भी उपस्थित थे।

सतपाल सिंह सत्ती ने 21 लाख से बनी सड़क का किया लोकार्पण

ऊना ,हिमालयन अपडेट

छठे राज्य वित्तायोग अध्यक्ष सतपाल सत्ती ने आज ऊना–अंब सड़क के प्राथमिक पाठशाला लालसिंगी भाग पर 21 लाख रूपये की लागत से सड़क की मैटलिंग व टायरिंग, आरसीसी व साइड ड्रेन के कार्य तथा नवनिर्मित पुलिया का लोकार्पण किया। लम्बे समय से स्थानीय लोगों की मांग रही थी कि यहां बरसात में बहुत अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता था। इसके बनने से यहां जलभराव की समस्या से निजात मिली है।

इस अवसर पर सतपाल सिंह सत्ती ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार के कार्यकाल में ऊना विधानसभा क्षेत्र में कई बड़ी परियोजनाओं के निर्माण के साथ–साथ ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को भी प्राथमिकता दी जा रही है। हालांकि कोरोना महामारी के दौरान कई विकास कार्य प्रभावित हुए हैं, बावजूद इसके ऊना हलके के विकास की गति न रुके, इसके लिए सतत प्रयास जारी रखकर विकास की रफ्तार को कम नहीं होने दिया गया। उन्होंने बताया कि लालसिंगी में प्राथमिक पाठशाला का 6 लाख रूपये व्यय करके इसका सौंदर्यकरण किया गया है। इसके अलावा अप्पर लालसिंगी में 75 लाख रूपय से निर्मित पेयजल आपूर्ति योजना जनता को समर्पित कर दी गई है तथा लोअर लालसिंगी में पुल के पास बनी कालोनी में लगभग 35 लाख रूपये की पेयजल आपूर्ति परियोजना का रिग का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शीघ्र ही ओवर हैड टेंक व वितरण प्रणाली स्थापित करके लोगों को समर्पित कर दिया जाएगा। इसके बनने से अप्पर व लोअर लालसिंगी के लोग लाभान्वित होंगे।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी पर विजय पाने के लिए केन्द्र व राज्य सरकार वैक्सीनेशन कार्यक्रम को बड़े प्रभावी ढंग से कार्यान्वित किया जा रहा है। जिला ऊना में कोविड वैक्सीनेशन केन्द्रों की संख्या बढ़ा दी गई है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह किसी प्रकार की भ्रांतियों में न आएं तथा शीघ्र अपना टीकाकरण करवाने के लिए आगे आएं। जिससे वह स्वयं और अपने परिवार को सुरक्षित कर सकें। उन्होंने कहा कि कोरोना की तीसरी लहर की चेतावनी चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा दी जा रही है, जिसके लिए हिमाचल सरकार ने पहले से ही पूरी तैयारी कर ली है।

सतपाल सिंह सत्ती ने मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर व केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से आज जिला ऊना में 4.5 करोड़ रूपये की लागत से ऑक्सीजन प्लांट निर्मित हो रहा है। इसके अलावा कोविड देखभाल केन्द्रों में भी बिस्तरों की संख्या को बढ़ा दिया गया है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जन सहयोग के बिना कोई भी बड़ा कार्य संभव नहीं हो सकता, इसलिए वैक्सीन टीका लगवाने के उपरांत भी कोरोना सुरक्षा नियमों का नियमित पालन करें।

इस अवसर पर उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं को कोविड किट्स भी वितरित की तथा स्थानीय लोगों की समस्याओं को सुना।

इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य अशोक धीमान, राज्य कार्यकारणी सदस्य बीजेपी तिलक राज सैणी, उप प्रधान हरबंस लाल, पूर्व प्रधान हंसराज, पूर्व उप प्रधान तिलक राज, वार्ड सदस्य संजीव कुमार, रमा कुमारी, सुरजीत कौर, अधिशाषी अभियंता पीडब्ल्यूडी राजेश कुमार, एसडीओ पीडब्ल्यूडी सुनील कुमार, कमलेश कुमार सहित अन्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कांगड़ा की इस नजरअंदाजी का कौन देगा जवाब

सत्ता में वापसी के लिए सियासी महासमुद्र का मंथन, सम्मान न मिलने पर अपने ही दे जाते हैं दगा

कांगडा, हिमालयन अपडेट

हिमाचल की सत्ता में फिर से वापसी के लिए सताधारी दल भाजपा कांगड़ा रूपी महासमुद्र का सियासी मंथन कर रही है। पिछले इतिहास को देखें तो सता में कोई भी दल हो, नजरअंदाजी से नाराज होकर सियासी किश्ती कांगड़ा ही डुबोता है। जिला के बड़े समुदायों के शुमार, ब्राह्मण, ओबीसी और गद्दी समुदाय का पार्टी के पास कोई बड़ा एवं स्थापित पावरफुल चेहरा न होना भी बड़ी चुनौती है। कांगड़ा का सम्मान व यहां से जुड़ी दूसरी राजधानी की परंपराओं की अनदेखी भी सत्ता से जनता में रोष का बड़ा कारण बन सकती है। कांगड़ा की बड़ी एवं महत्त्वाकांक्षी परियोजनाओं को आगे न बढ़ाने का फेलियर भी सरकार पर भरी पड़ता दिख रहा है। भाजपा कांगड़ा रूपी सियासी महासमुद्र का मंथन कर आगे बढना चाह रही है, लेकिन पुराने इतिहास को देखें तो राजनीतिक दलों की सियासी किश्ती हमेशा कांगड़ा में ही डूबती रही है। मौजूदा सरकार के समक्ष भी कांगड़ा में कई बड़ी चुनौतियां हैं। सरकार व संगठन ने कांगड़ा के लिए पिछले 4 वर्षों में क्या किया, ये सवाल अभी से उठने लगे हैं। सत्ताधारी दल भाजपा कांगड़ा के सम्मान की कितनी वापसी कर पाएगा, इस बात का जवाब भी महामंथन में ढूंढना होगा। सरकार ने कांगड़ा से जुड़ी कई परंपराओं को भी समाप्त कर दिया। इसका गुस्सा भी सत्ताधारी दल को झेलना पड़ेगा।

40 हजार रिश्वत लेता पकड़ा पटवारी, झंडूता में जमीन इंतकाल होने के बाद भी आपत्ति को लेकर मांगी थी घूस

बिलासपुर, हिमालयन अपडेट

जिला बिलासपुर के अंतर्गत विजिलेंस टीम ने राजस्व विभाग में तैनात पटवारी को 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोचा है। पटवारी को झंडूता में विजिलेंस टीम द्वारा पकड़ा गया है।

पटवारी द्वारा शिकायतकर्ता से जमीन का इंतकाल होने के बाद भी ऑडिट टीम द्वारा इस इंतकाल पर आपत्ति लगने का बहाना लगाकर रिश्वत मांग की थी। जिसके चलते अब विजिलेंस टीम ने पटवारी रंगे हाथों पकड़ा है। वहीं, विजिलेंस ने पटवारी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार झंडूता विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सुशील कुमार ने शाहतलाई में जमीन खरीदी थी। जिसकी रजिस्ट्री करवाने के बाद इसका इंतकाल उसकी माता के नाम हो चुका है।

लेकिन पटवार वृत्त झबोला में तैनात पटवारी पंकज चंदेल ने सुशील कुमार से ऑडिट के लिए आई हुई ऑडिट टीम ने उस पर 2.50 लाख रुपए का जुर्माना लगाने की बात की। वहीं, पटवारी द्वारा इस मसले को 50 हजार में सेटलमेंट करवाने की बात की। जिसके चलते शिकायतकर्ता ने इतनी भारी भरकम राशि देने से इनकार कर दिया। लेकिन पटवारी 40000 की राशि देने के बारे में कहा कि यह राशि तो देनी ही पड़ेगी। जिसके चलते शिकायत ने अपनी शिकायत विजिलेंस में दर्ज करवाई। विजिलेंस में शिकायत पहुंचने के बाद विजिलेंस टीम की ओर से बड़ी ही चतुराई के साथ पटवारी को दबोचने के लिए जाल बिछाया और मौके पर रंगे हाथों पकड़ लिया।

वहीं, पटवारी के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उधर, इस बारे में डीएसपी विजिलेंस संजय ठाकुर ने बताया कि पटवारी को 40 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है।

मेधावियों को मिलेंगे विंडोज 10 प्रो साफ्टवेयर के लैपटॉप

शिमला, हिमालयन अपडेट

स्कूल शिक्षा बोर्ड की दसवीं–बारहवीं कक्षा और कॉलेजों के मेधावियों को माइक्रोसाफ्ट विंडोज 10 प्रो साफ्टवेयर के लैपटॉप मिलेंगे। माइक्रोसाफ्ट ने 18 हजार साफ्टवेयर के लिए लाइसेंस देने की इलेक्ट्रॉनिक कॉरपोरेशन को मंजूरी दे दी है। आठ जुलाई तक कॉरपोरेशन ने कंपनियों से लैपटॉप खरीद के लिए टेंडर आमंत्रित किए हैं। दसवीं–बारहवीं कक्षा सहित कॉलेजों के 19 हजार मेधावियों को लैपटॉप दिए जाने हैं। शैक्षणिक सत्र 2018–19 और 2019–20 के लिए खरीद की जा रही है। कोरोना संकट के चलते बीते एक वर्ष से खरीद की प्रक्रिया बहुत धीमी गति से चल रही है। शैक्षणिक सत्र 2018–19 के 9786 और 2019–20 के 9786 मेधावियों के लिए लैपटॉप खरीदे जाने हैं।

केंद्रीय विश्वविद्यालय से फाइनेंस ऑफिसर को तानाशाई कर पद से बर्खास्त करना दुर्भाग्यपूर्ण:अभाविप

शिमला, हिमालयन अपडेट

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अपने स्थापना काल से ही छात्र हित एवं समाज हित में कार्य कर रहा है केन्द्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के स्थाई परिसर के निर्माण और अस्थाई परिसरों में मूलभूत सुविधाओं के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद वर्ष 2009 से आंदोलन करता आ रहा हैं प्रांत सह मत्री बलवीर सिंह ने कहा कि हम पिछले कुछ दिनों से देखते हैं कि किस तरह से केंद्रीय विश्वविद्यालय के तानाशाह रजिस्ट्रार एवं कुलपति द्वारा एक ईमानदार, योग्य एवं स्थाई वित्त अधिकारी को अपने पद से मुक्त किया गया ।

केंद्रीय विश्वविद्यालय के भ्रष्ट रजिस्ट्रार एवं कुलसचिव जो अतिरिक्त कार्यभार पर संवैधानिक पद संभाल रहे हैं उनके द्वारा एक बहुत निंदनीय घटना की जाती है कि वह अपनी शक्तियों का गलत उपयोग करके एक मात्र स्थाई वित अधिकारी को पद मुक्त कर दिया जाता है ।

इसका कारण यह है कि कुलसचिव और कुलपति अतिरिक्त आय को बढ़ाने की बात करते हैं ।जिससे एक ईमानदार वित्तीय अधिकारी द्वारा केंद्रीय विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार उनकी अतिरिक्त आय को बढ़ाने से मना कर देता है ,जिससे केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव और कुलपति अपनी शक्तियों का प्रयोग करके एक स्थाई अधिकारी को हटा दिया जाता है। इस तरह के तानाशाही अधिकारियों से छात्रों के भविष्य के साथ साथ केंद्रीय विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के साथ भी गलत व्यवहार किया जा रहा है ।जिसका अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कड़ा विरोध करती है और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मांग करती है कि केंद्रीय विश्वविद्यालय में जल्द से जल्द स्थाई नियुक्तियां की जाए ।

प्रांत सह मंत्री बलवीर सिंह ने कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालय में जो अस्थाई रूप से चलाए जा रहे परिसरों में मूलभूत सुविधाएं जल्द से जल्द पूरी की जाए । अस्थाई कैंपस में छात्रावास की सुविधा, पुस्तकालय में पुस्तकों की कमी एवं बैठने की क्षमता को बढ़ाया जाए, तीनों अस्थाई परिसरों में वाईफाई की सुविधा, यातायात की सुविधा और कक्षा कक्ष में बैठने की सुविधाओं को बढ़ाया जाए।

दूध की कम कीमतों को लेकर किसान सभा ने दिया धरना

आनी, हिमालयन अपडेट

किसान सभा खंड इकाई निरमण्ड के आह्वान पर दुग्ध उत्पादकों की मांगो को लेकर टिकरी कैंची स्थित हिमाचल दूध शीत प्लांट के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में इस क्षेत्र के दूध उत्पादकों ने हिस्सा लिया।

इस विरोध प्रदर्शन को किसान सभा जिला महासचिव देवकी नंद,निरमण्ड किसान सभा के अध्यक्ष पूरण ठाकुर, सचिव जगदीश व दुर्गा नंद ने संबोधित किया।उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि लोग कृषि के साथ साथ दुग्ध उत्पादन के व्यवसाय से भी जुड़े हैं, जिनसे किसान दूध पैदा कर अपने परिवार का पालन पोषण करने के लिए सरकारी या प्राइवेट क्षेत्र मे इसे बेचता है परन्तु उनकी इतनी मेहनत करने के बाद भी दूध का दाम पानी से भी कम मिल रहा है जिससे दूध उत्पादक अपनी आर्थिकी को लेकर चिंतित है। दुग्ध उत्पादकों का कहना कि कम मूल्य से उन्हें अपने परिवार का पालन पोषण करना मुश्किल हो रहा है।कई बार तो डिग्री कम होने पर दूध वापिस किया जाता है अथवा कम रेट दिया जाता है जो कि दूध उत्पादकों के साथ ठगी है।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार को इनके लिए नीति बनानी चाहिए ताकि इनका शोषण ना हो व दूध का सही दाम मिले।उन्होंने कहा कि एक तरफ केंद्र सरकार 2022 में जिसनों की आय को दोगुना करनी चाहती है परंतु यह सम्भव नहीं है जब तक किसानों को उनके द्वारा पैदा किये गए उत्पाद का उचित दाम न मिले।

किसान सभा प्रदेश सरकार से मांग करती है कि दूध का दाम 30 रुपये प्रति लीटर दिया जाए,दूध की पेमेंट हर माह 10 तारीख से पहले दी जाए, डिग्री के नाम पर ठगी बंद करो व सभी सोसाइटी में दूध की गुणवत्ता को जांचने के लिये टेस्टिंग मशीन दो,पशु औषधालय में खाली पद भरो,पशुचारे पर अनुदान दो।

इस विरोध प्रदर्शन में श्याम लाल,श्याम सिंह,कांशी राम,मनी राम, किशोरी लाल,मान दासी ,फुला देवी,उषा देवी,शांता देवी,नोया राम,नेक राम, सुमित्रा देवी,सुनीता देवी आदि लोग शामिल रहे।

साहब, बसों को छू रही पेड़ों की टहनियाँ टूट रहे शीशे

आनी, हिमालयन अपडेट

आनी क्षेत्र के कई परिवहन रूटों पर सड़क किनारे कहीं सेब पौधों की टहनियाँ व कंटीली झाड़ियां बसों को छू रहीं हैं, तो कहीं मकानों के कोने।

कोरोनाकाल में आम लोगों की सुबिधा के लिए परिवहन निगम द्वारा आनी क्षेत्र में विभिन्न रूटों पर परिवहन बसें तो सुचारू रूप से चलाई जा रहीं हैं। मगर यहां की कई सड़कों के किनारे सेब पौधों की टहनियाँ तथा कंटीली झाड़ियां तथा मकानों के कोने परिवहन बसों को छू रहें हैं,जिससे जहां बसों के शीशे टूट रहे हैं, वहीं मकानों के कोनों से बसों को खरोंच के कारण क्षति पहुंच रही हैं।

परिवहन निगम सब डिपो आनी के अड्डा प्रभारी रमेश गुप्ता का कहना है कि आनी से रुना सड़क मार्ग पर सड़क अगल बगल में सेब पौधों की टहनियाँ, व कंटीली झाड़ियां तथा मकानों के कोने बस चालकों के लिए परेशानी क़ा सबब बने हुए हैं।टहनियों व झाड़ियों से जहाँ बसों को क्षति पहुंच रही है,वहीं इनसे अप्रिय हादसों का डर भी सता रहा है। अड्डा प्रभारी का कहना है कि सम्बंधित विभाग व स्थानीय लोग इन टहनियों व झाड़ियों को काटने की ज़हमत नहीं उठा पा रहे, जिससे समस्या जस की तस बनी हुई है। वहीं इस बारे में एक्सईएन राजेश शर्मा ने बताया कि सड़कें किनारे लगी झाड़ियों व टहनियों को जल्द कटवाया जाएगा।

रामगढ़धार पेयजल योजना का नया वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित, ट्रायल सफल: कंवर

ऊना, हिमालयन अपडेट

कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण रामगढ़ धार पेयजल योजना के तहत ग्राम पंचायत बोहरू में बनाया जा रहा नया वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित कर लिया गया है तथा ट्रीटमेंट प्लांट का लिमिटेड ट्रायल भी सफल रहा है। यह जानकारी देते हुए ग्रामीण विकास, पंचायती राज, कृषि, मत्स्य तथा पशु पालन मंत्री वीरेंद्र कंवर ने आज थाना कलां में कहा कि ट्रीटमेंट प्लांट में नई पंपिंग मशीनरी स्थापित गई है। जल्द ही यह ट्रीटमेंट प्लांट शुरू हो जाएगा, जिससे लगभग 12 पंचायतों के 55 गांवों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि रामगढ़ धार योजना के तहत बनाया गया वाटर ट्रीटमेंट प्लांट जिला ऊना का पहला मकेनिकल फिल्टर सिस्टम की सुविधा युक्त प्लांट है।

वीरेंद्र कंवर ने कहा कि रामगढ़ धार पेयजल योजना का सुधारीकरण 16 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है, जिसका निर्माण कार्य 75 से 80 प्रतिशत तक पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि जल शक्ति विभाग को इस योजना का कार्य मार्च 2022 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना के सुधारीकरण का कार्य पूर्ण होने के बाद पूरे धार क्षेत्र में पानी की कोई कमी नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकारें ही प्रदेश में विकास करवाती हैं। वर्ष 1977 में जनता पार्टी की सरकार ने यह योजना स्थापित की गई थी और इससे कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के एक बड़े भाग के निवासियों को पीने के पानी की सुविधा मिल पाई थी। लेकिन आबादी बढ़ने के साथ यह योजना छोटी पड़ने लगी, जिसके चलते मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनने के बाद इस योजना के जीर्णोद्धार के लिए 16 करोड़ रुपए की धनराशि जारी की गई।

ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि कुटलैहड़ विस क्षेत्र में पिछले तीन वर्षों में 150 करोड़ से अधिक की धनराशि जल शक्ति विभाग के माध्यम से खर्च की जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल में पानी के टैंकरों से जनता को पानी देने की परंपरा रही है। कांग्रेस अपने कार्यकाल के टैंकरों की याद कुटलैहड़ की जनता को ताजा कर रही है। जबकि भाजपा सरकार का लक्ष्य हर घर को नल से जल देना है, न कि टैंकरों से पानी की सप्लाई करना।

तालाब में डूब रहे बेटे को बचाने के लिए मां ने लगाई छलांग, दोनों की मौत

मंडी, हिमालयन अपडेट

मंडी जिले के जोगिंद्रनगर में मां–बेटे की मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक तालाब में डूब रहे दस साल के बेटे अभिषेक को बचाने के लिए मां रजा देवी ने भी छलांग लगा दी। दोनों की डूबने से मौत हो गई। घटना जोगिंद्रनगर की पंचायत टिकरू में हुई। बताया जा रहा है कि मां–बेटा खेतों में काम करने के लिए निकले थे। बेटा अनियंत्रित होकर तालाब में जा गिरा। उसे बचाने के लिए मां ने भी छलांग लगा दी। बेहोशी की हालत में मां–बेटे को अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। आसपास के लोगों को हादसे की जानकारी काफी समय बाद मिली। मां–बेटे की मौत से पूरा गांव स्तब्ध है। अभिषेक के पिता अच्छर सिंह आईटीआई में सेवारत हैं।

हफ्ते में मांगों का समाधान नहीं, तो होगा आंदोलन

शिमला हिमालयन अपडेट

प्राथमिक शिक्षक संघ ने प्राइमरी स्कूलों का नियंत्रण खत्म करने पर सरकार को चेताया है। आरोप लगाया गया कि राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने उचित मांगों के संदर्भ में बार–बार विभाग व सरकार से पत्राचार किया, लेकिन तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा हो जाने पर भी सरकार स्तर पर प्रदेश के सबसे बड़े संगठन की बैठक निर्धारित नहीं की गई है। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ हिमाचल प्रदेश की वर्चुअल आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें निर्णय लिया कि सरकार को मांगों के बारे में एक सप्ताह का अल्टीमेटम ज्ञापन सौंपा जाए।

यदि एक सप्ताह में संगठन की मांगों के लिए प्रदेश संगठन के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित नहीं की जाती, तो मांगों के समाधान के लिए आंदोलन की रणनीति अपनाई जाएगी। शिक्षकों ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रस्ताव को कार्यान्वयन किए जाने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया गया, जिसमें न तो प्रदेश संगठन के पदाधिकारियों को और न ही प्राथमिक शिक्षकों को जोड़ा गया, जो कि एक दुखद परिस्थिति है। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष हेम राज ठाकुर, उपाध्यक्ष सरबजीत सिंह राणा महामंत्री अशोक कुमार शर्मा सह सचिव राकेश पटियाल कोषाध्यक्ष त्रिलोक चंद मुख्य सलाहकार मनुज शर्मा व सीमा रानी, मुख्य लेखाकार यशपाल ठाकुर व हेमा चौहान, महिला विंग अध्यक्ष नीलम, मुख्य संरक्षक देवेंद्र केवला और 12 जिलों के अध्यक्ष महामंत्री कोषाध्यक्ष बैठक में सम्मिलित रहे।

पंचकूला-मोहाली समेत कई जगह बैरिकेड्स तोड़ चंडीगढ़ में घुसे, अफसरों ने मौके पर ज्ञापन लेकर लौटाए

चंडीगढ़, हिमालयन अपडेट

पंचकूला और मोहाली से शनिवार को हजारों किसानों के पहुंचने से जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान कुछ देर के लिए हालात बेकाबू भी दिखे। जानकारी के मुताबिक शनिवार सुबह कृषि कानून रद्द कराने की मांग के लिए 32 किसान संगठनों ने राजभवन की तरफ कूच किया। इस दौरान पंचकूला और मोहाली से हजारों किसान इक्ट्ठा हुए और इस दौरान बैरिकेड्स तोड़कर चंडीगढ़ में प्रवेश किया।

चंडीगढ़ में घुसे किसानों को प्रेस लाइट प्वाइंट पर जबरन रोका गया। एसएसपी कुलदीप सिंह चाहल भी मौके पर पहुंचे। किसानों को यहीं रुकने के लिए कहा गया, लेकिन किसान आगे बढ़ने की जिद पर अड़े रहे। इसके बादा डीसी मंदीप सिंह बराड़ भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रेस लाइट प्वाइंट पर ही किसानों से ज्ञापन लिया है। डीसी को ज्ञापन देने के बाद किसान लौट गए।

वहीं, पंचकूला से भी किसान बैरिकेड तोड़कर चंडीगढ़ घुस गए हैं। उधर, दूसरी ओर पंजाब के किसान जीरकपुर और मुल्लांपुर बैरियर से भी चंडीगढ़ में घुसे। वहीं, हरियाणा के किसान हाउसिंग बोर्ड लाइट प्वाइंट से चंडीगढ़ में आए। इस दौरान खूब हंगामा रहा।

चार लाख ट्रैक्टर और 25 लाख आदमी तैयार

चंडीगढ़। किसान नेता और भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा है कि हमारे चार लाख ट्रैक्टर और 25 लाख आदमी तैयार हैं। उन्होंने एक बैठक करने के बाद कहा कि दो बातें तय हुई हैं। नौ को शामली से एक यात्रा निकलेगी, जो कि बागपत होते हुए सिंघु पर जाएगी, इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। वहीं, दूसरी यात्रा 24 जुलाई को निकलेगी।

प्राइवेट स्कूलों द्वारा लगातार की जाने वाली फीस बढ़ोतरी पर अंकुश लगाने के लिए कानून लाया जाएगा-कंवरपाल

चण्डीगढ़, हिमालयन अपडेट

हरियाणा के शिक्षा तथा वन एवं पर्यावरण मंत्री कंवरपाल ने कहा कि प्रदेश में प्राइवेट स्कूलों द्वारा लगातार की जाने वाली फीस बढ़ोतरी पर अंकुश लगाने के लिए कानून लाया जाएगा ताकि स्कूल अपनी मनमर्जी से ज्यादा फीस न वसूल सकें। साल में 8–10 प्रतिशत से अधिक की फीस बढ़ोतरी को किसी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता।

कंवरपाल ने यह बात करनाल में जिला शिकायत निवारण समिति की बैठक के बाद पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान कही।

एक पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में शिक्षा मंत्री ने कहा कि एसएलसी पर भी सरकार द्वारा कानून लाया जाएगा और एसएलसी देने पर स्कूल का जो भी खर्च आएगा, वह अभिभावक को देना होगा। लेकिन अभिभावकों पर निजी स्कूलों को मनमानी नहीं करने दी जाएगी। साथ ही, उन्होंने कहा कि धारा 134–ए के तहत दाखिले के लिए अब हरियाणा में निजी स्कूलों की तर्ज पर संस्कृति मॉडल स्कूल बनाए गए हैं। बच्चों को इन स्कूलों में बेहतर शिक्षा दी जा रही है।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कंवरपाल ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार आम जनता के हितों को ध्यान में रखकर काम कर रही हैं। हम पार्टी के नफा–नुकसान की बजाय देश व प्रदेश की जनता की भलाई के बारे में सोचते हैं क्योंकि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि होती है। परंतु कुछ लोग अपने स्वार्थों के लिए आम जनता को गुमराह कर रहे हैं।

इससे पूर्व, बैठक में 15 परिवाद रखे गए जिनमें से तीन परिवादी गैर–हाजिर रहे। शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने 12 परिवादों की सुनवाई की और 11 का मौके पर निपटान किया। कुछ परिवादों पर उन्होंने अधिकारियों को जांच के आदेश भी दिए।

बैठक में मेयर रेनू बाला गुप्ता, उपायुक्त निशांत कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक गंगाराम पुनिया, नगर निगम आयुक्त डॉ. मनोज कुमार समेत सरकारी व गैर–सरकारी सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिले के अनुसूचित जाति लोगों के लिए 50 लाख रूपये जारी करने के निर्देश दिए

अनुसूचित जाति के लोगों के साथ किसी तरह की उत्पीडन् सम्बन्धी घटना होने पर पीड़ित परिवार को समय पर आर्थिक सहायता मुहैया करवाई जा सके

चण्डीगढ़, हिमालयन अपडेट

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हर जिले को 50 लाख रुपये जारी करने के निर्देश दिए हैं ताकि अनुसूचित जाति के लोगों के साथ किसी तरह की उत्पीडन् सम्बन्धी घटना होने पर पीड़ित परिवार को समय पर आर्थिक सहायता मुहैया करवाई जा सके।

मुख्यमंत्री अनुसूचित जातियां/अनुसूचित जनजातियां (अत्याचार निवारण) नियम,1995 के अधीन गठित राज्य स्तरीय विजिलेंस एवं मॉनिटरिंग कमेटी की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री डॉ. बनवारी लाल, श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री अनूप धानक, सांसद सुनीता दुग्गल, विधायक वरूण चौधरी, सत्यप्रकाश जरावता और रामकरण काला भी मौजूद रहे।

मनोहर लाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभिन्न विभागों में आउटसोर्सिंग पॉलिसी के तहत की जाने वाली भर्ती में अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया जाए और समय–समय पर इसकी उचित निगरानी भी की जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी हिदायत दी कि राज्य स्तरीय विजिलेंस एवं मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक हर छः महीने में की जाए।

उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति के लोगों के खिलाफ होने वाले उत्पीडन् के मामले में दी जाने वाली कानूनी सहायता राशि भी बिना किसी देरी के जारी की जानी चाहिए।

इसके अलावा, लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए अनुसूचित जाति की बस्तियों में तथा प्राइम लोकेशन पर होर्डिंग या बैनर लगाए जाएं। इसके अलावा, प्रचार के अन्य माध्यमों से भी जानकारी दी जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुसूचित जाति के लोगों को उनके अधिकारों की जानकारी देने के मकसद से हर सांसद व विधायक अपने–अपने निर्वाचन क्षेत्र में समय–समय पर सेमिनार करवाना सुनिश्चित करे। प्रदेश के कुछ खास क्षेत्रों में अनुसूचित जाति के लोगों के खिलाफ होने वाले उत्पीडन् के मामलों के पीछे के कारणों का पता लगाया जाना चाहिए।

इस बैठक में मुख्य सचिव विजय वर्धन, मुख्यमंत्री के विशेष प्रधान सचिव डी.एस. ढेसी, वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के प्रधान सचिव विनीत गर्ग, पुलिस महानिदेशक मनोज यादव, गृह विभाग–1 के सचिव टी.एल. सत्यप्रकाश और अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की महानिदेशक रेणू एस. फुलिया समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मालिकाना हक मिलने से झुग्गी वाले 7700 परिवारों के घर का सपना होगा साकार:मुख्य सचिव

चण्डीगढ़, हिमालयन अपडेट

मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह के प्रमुख प्रोग्राम– 'बसेरा' के अंतर्गत अमृतसर और फतेहगढ़ साहिब जिलों में दो स्थानों पर झुग्गी–झौंपड़ियों में रहते परिवारों को मालिकाना हक देने को मंजूरी दे दी है। यह फ़ैसला बसेरा स्कीम अधीन मुख्य सचिव श्रीमती विनी महाजन की अध्यक्षता में संचालन समिति की चौथी मीटिंग के दौरान लिया गया।

महाजन ने कहा कि इस फ़ैसले से अब तक राज्य के अलग–अलग जिलों में स्थित झुग्गी–झोंपड़ी वाले 40 स्थानों पर रहते 7700 परिवारों को मालिकाना हक दिए गए हैं।

इस स्कीम की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने समूह डिप्टी कमीश्नरों को हिदायत की कि मालिकाना हक प्रदान करने की प्रक्रिया में तेज़ी लाई जाये जिससे झुग्गी झोंपड़ी वासियों का अपना घर होने का सपना साकार किया जा सके। इसके अलावा उन्होंने स्थानीय निकाय विभाग को इस सम्बन्धी सर्वेक्षण मुकम्मल करने के लिए भी कहा।

गौरतलब है कि शहरी क्षेत्रों में राज्य सरकार की ज़मीन पर झुग्गी झौंपड़ियों में रहते परिवारों को मालिकाना हक प्रदान करने वाला पंजाब देश का पहला राज्य बन गया है।

मुख्य सचिव ने राज्य में कोविड–19 मामलों में आई वर्तमान गिरावट पर संतोष जाहिर किया

चंडीगढ़, हिमालयन अपडेट

हरियाणा के मुख्य सचिव विजय वर्धन ने राज्य में कोविड–19 मामलों में आई वर्तमान गिरावट पर संतोष जाहिर किया और साथ ही स्वास्थ्य अधिकारियों को सचेत करते हुए निर्देश दिए कि ज्यादा भीड़ वाले स्थानों जैसे कॉलेज, कार्यालय, मॉल, उद्योगों आदि में परीक्षण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।

मुख्य सचिव ने ये निर्देश कोविड–19 की तैयारियों की समीक्षा के लिए केंद्र सरकार द्वारा आयोजित एक वीडियो कान्फ्रेंस के बाद चंडीगढ़ में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बैठक में दिए। ऑनलाइन वीडियो कान्फ्रेंसिंग की अध्यक्षता भारत सरकार के कैबिनेट सचिव राजीव गाबा ने की।

मुख्य सचिव विजय वर्धन ने सुझाव दिया कि स्वास्थ्य विभाग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राज्य में हर दिन कम से कम 50,000 आरटीपीसीआर या रैपिड एंटीजन टेस्ट (आरएटी) किए जाएं। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को हाल ही में कोविड–19 की दूसरी लहर के दौरान पहचान की गई कमियों से अनुभव लेने और भविष्य में संभावित किसी भी कोविड–लहर के लिए खुद को पहले से तैयार रहने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य के लिए आवश्यक दवाओं के साथ–साथ पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर, वेंटिलेटर आदि उपकरणों की आवश्यकता का अनुमान लगाया जाए और उनकी खरीद की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि निकट भविष्य में (जैसा कि संभावना जताई जा रही है) कोविड–बाल रोगियों के इलाज के लिए चिकित्सा कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए । उन्होंने कहा कि बाल चिकित्सा उपयोग के लिए जीवन–रक्षक उपकरणों व अन्य चिकित्सा सुविधाओं को तैयार रखें ।

रोपड़ पुलिस द्वारा जाली रैमडेसिविर बनाने वाले करोड़ों रुपए के अंतरराज्यीय रैकेट का पर्दाफाश

गिरफ्तार किये गए 6 व्यक्तियों से 2 करोड़ की नकदी और 4 वाहन ज़ब्त

रोपड़, हिमालयन अपडेट

रोपड़ पुलिस ने 6 व्यक्तियों की गिरफ्तारी के साथ जाली रैमडेसिविर बनाने वाले करोड़ों रुपए के अंतरराज्यीय रैकेट का पर्दाफाश किया है जिसमें गिरोह का सरगना भी शामिल है जो कोविड–19 के गंभीर मरीज़ों के इलाज के लिए इस्तेमाल किए जाने वाली एंटी–वायरल ड्रग को जाली तौर पर तैयार करके इसकी कालाबज़ारी करता था।

पुलिस ने इन शीशियाँ को बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए डिज़ाइन और पैकजिंग सामग्री भी बरामद की है। इसके अलावा दोषियों से 2 करोड़ रुपए की नकदी और मारुति बलेनो (यू.पी. 12 बीबी 6710), टोयोटा ईटीओस (यू.के. 08 एसी 2561), हुंडाई आई20 (पी.बी. 65 एयू 5784) और मारुति स्विफ्ट डिज़ायर (सी.एच. 01 एक्स 7862) समेत चार गाड़ीयाँ भी बरामद की हैं।

इस सम्बन्धी जानकारी देते हुए पंजाब के डी.जी.पी. दिनकर गुप्ता ने बताया कि इनमें से एक दोषी मुहम्मद शाहवर ने दस महीने पहले दवाओं का स्टॉक रखने के लिए गाँव मलोआ में किराये पर जगह ली थी। पिछले महीने भाखड़ा नहर में शीशियों की बरामदगी के बाद मामले की जांच के लिए गठित की गई एस.आई.टी. ने बरामद की गई शीशियों पर लिखे पते का पता लगाया जो मालोआ के नौटविन्स फार्मासूटीकल्स का था, जिसके मालिक से पूछताछ की गई। डी.जी.पी. ने आगे कहा कि उससे प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस को समूची साजिश को बेनकाब करने और अपराधी की पहचान करने में मदद मिली।

उक्त फार्मासूटीकल्स के मालिक ने यह भी खुलासा किया कि दिल्ली, पानीपत, अम्बाला सहित विभिन्न पुलिस इकाईयों ने अपराधियों के ठिकानों का पता लगाने के लिए वहाँ छापेमारी की थी।

डीजीपी ने आगे बताया कि अन्य राज्यों में उनके कामकाज वाले टिकानों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है और बरामद की शीशियों के नमूने फोरेंसिक जांच के लिए सी.डी.एस.सी.ओ, कोलकाता भेजे गए हैं जिससे यह पता लगाया जा सके कि इन जाली दवाओं में कौन से पदार्थ/रसायनों का प्रयोग किया जा रहा था।

इसके इलावा मुहम्मद शाहवर और उसके सहयोगी जिसकी पहचान शाह नाज़र के तौर पर हुई है और जो इन नकली टीकों की सप्लाई का मुख्य दोषी है, को नामजद करने के बाद, रोपड़ पुलिस ने और जानकारी हासिल करने के लिए शाहवार के मुख्यालय और घर काला अंब में छापेमारी की। गुप्ता ने बताया कि इस दौरान शाहवर फरार होने में कामयाब हो गया और गिरफतारी से बचने के लिए कम से कम एक महीने के लिए वह गोआ, बंगलोर, यू.पी, दिल्ली और अन्य कई स्थानों पर छिपा रहा।

पिछले महीने 6 मई को रूपनगर के गाँव सलेमपुर और बालसन्दा में भाखड़ा नहर से 3000 वाइलें जिसमें 621 रिमडेसीवीर और 1456 सेफोपेराजोन इसके इलावा 849 बिना नाम वाले शीशियां थी, बरामद करने के बाद एस.पी. हैडक्वाटर डा. अंकुर गुप्ता के नेतृत्व वाली विशेष जांच टीम (एस.आई.टी.) का गठन किया गया।

रोपड़ के एस.एस.पी. अखिल चौधरी अनुसार गिरफतार किये गए व्यक्तियों की पहचान मुहम्मद शाहवर निवासी उत्तर प्रदेश (यूपी) के मुजफ्फरनगर के गाँव खुडडा, अर्शद खान निवासी बाघपत, यूपी, मुहम्मद अर्शद सहारनपुर यू.पी ; हरियाणा के कुरूक्षेत्र के प्रदीप सरोहा और शाह नाज़र और शाह आलम दोनों निवासी बहिलोपुर, मोहाली के तौर पर हुई है।

एसएसपी ने बताया कि इस सम्बन्ध में आइपीसी की धारा 188, 278, 468, ट्रेडमार्क एक्ट की धारा 103, जल (रोकथाम और नियंत्रण) एक्ट की धारा 43, जरूरी वस्तुओं की धारा 7, महामारी रोग एक्ट की धारा 3, आपदा प्रबंधन एक्ट की धारा 53, 54, 57 और ड्रग्गज और कॉस्मेटिक एक्ट की धारा 27 के अंतर्गत चमकौर साहिब थाने में एफ.आई. आर. नं. 46 तारीख 6 मई, 2021 पहले ही दर्ज की जा चुकी है।

सम्पादकीय

मेडिकल खर्च की मार

विश्व बैंक के मुताबिक, भारत में अगर किसी के इलाज पर 100 रुपये का खर्च आता है तो उसमें से 63 रुपये उसे अपनी जेब से देने पड़ते हैं। वहीं हमारे पड़ोस भूटान, श्रीलंका और पाकिस्तान में यह खर्च भारत की तुलना में कम है। चीन में भी यह हर 100 रुपये में 30 रुपये के करीब है। अमीर देशों की तो हालत कहीं अच्छी है।

मेडिकल खर्च के कारण देश में पहले भी लोग गरीबी की भेंट चढ़ते रहे हैं, लेकिन कोरोना ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। 2012 के आंकड़ों के मुताबिक देश में कुल 27 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे थे, जिनमें से 5.5 करोड़ अधिक मेडिकल खर्च की वजह से इस दलदल में फंस गए थे। इसकी वजह यह है कि यहां जब कोई बीमार होता है तो उसे इलाज में अपनी जेब से बहुत अधिक पैसा खर्च करना पड़ता है। विश्व बैंक के मुताबिक, भारत में अगर किसी के इलाज पर 100 रुपये का खर्च आता है तो उसमें से 63 रुपये उसे अपनी जेब से देने पड़ते हैं। वहीं हमारे पड़ोस भूटान, श्रीलंका और पाकिस्तान में यह खर्च भारत की तुलना में कम है। चीन में भी यह हर 100 रुपये में 30 रुपये के करीब है। अमीर देशों की तो हालत कहीं अच्छी है। अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी में मरीजों को इलाज पर हर 100 रुपये में 20 रुपये से कम खर्च करना पड़ता है तो फ्रांस में यह 9 रुपये के करीब है। बाकी का पैसा सरकार खर्च करती है। भारत में राज्यों की बात करें तो वहां भी जहां गरीबी अधिक है, वहीं के लोगों को इलाज पर जेब से अधिक पैसा खर्च करना पड़ रहा है। बिहार में यह खर्च 99.90 रुपये है। इसके बाद मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और ओडिशा के लोगों को इलाज की खातिर अपनी जेब से काफी अधिक पैसा खर्च करना पड़ रहा है। इस वजह से देश में अधिक से अधिक लोग गरीबी रेखा से नीचे धकेले जा रहे हैं।

1994 से 2014 के बीच नैशनल सैंपल सर्वे डेटा के आधार पर 2018 में एक स्टडी हुई। इसमें दावा किया गया कि 1993–94 में 3.9 फीसदी आबादी के सालाना खर्च में मेडिकल बिल का योगदान 25 फीसदी था। 2011–12 में ऐसे परिवारों की संख्या बढ़कर 4.3 फीसदी हो गई। इस स्टडी में कहा गया था कि इलाज पर खर्च की वजह से देश की करीब 4.5 फीसदी आबादी गरीबी की दलदल में फंस गई। कोरोना महामारी के दौर में रिटायरमेंट फंड से पैसा निकालने की खबरें भी सुर्खियां बनी हैं। छंटनी, वेतन में कटौती के साथ मेडिकल खर्च भी इसकी एक वजह रही है। दूसरे, भारत में सोशल सिक्योरिटी बहुत कमजोर है, इसलिए इलाज जैसे आकस्मिक खर्च से लोगों पर वित्तीय दबाव बढ़ जाता है। इसलिए यह जरूरी है कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च बढ़ाए। इस साल के आर्थिक सर्वे में भी कहा गया था, 'किसी देश की सेहत नागरिकों के समान, किफायती और जवाबदेह चिकित्सा तंत्र पर काफी हद तक निर्भर करती है।' सर्वे में स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च जीडीपी के 1 फीसदी से बढ़ाकर 2.5–3 फीसदी करने का सुझाव दिया गया था। इसमें कहा गया था कि स्वास्थ्य पर खर्च में इतनी बढ़ोतरी की जाए तो नागरिकों को हर 100 रुपये के खर्च में अपनी जेब से 30 रुपये ही देने पड़ेंगे। स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने की मांग लंबे समय से होती रही है और महामारी के दौर में देश ने जो भुगता है, उसका संदेश यही है कि इसमें देर नहीं करनी चाहिए। यह सिर्फ नागरिकों की नहीं, देश की सेहत का सवाल है।

क्या मुश्किल है

एक सहरा हूँ कि अब मुझमें उगे कुछ भी नहीं।
अब अगर तुम मिल भी जाओ तो मिले कुछ भी नहीं।

जो भी दिल में हो वही चेहरे पे आता है नज़र।
आइना हूँ इश्क़ का मुझमें छुपे कुछ भी नहीं।

उसकी नज़रों से छलकती है मुहब्बत की ग़ज़ल।
वो मगर ख़ामोश रहती है ,कहे कुछ भी नहीं।

वो जड़ी हैं सुरमई पलकों के उम्दा फ्रेम में।
उनकी आंखों के मुक़ाबिल आइने कुछ भी नहीं।

जब भी चाहूं सोच के पंखों से छू लूँ मैं उन्हें।
अब वो रहते हैं ज़हन में , फ़ासले कुछ भी नहीं।

अब महज़ इक याद है गुज़रे हुए लम्हात की।
अब वो अपनापन नहीं ,शिक़वे ,गिले कुछ भी नहीं।

गर वो गुज़रे वक़्त की तस्वीर ज़िन्दा हो सके।
ख़र्च यूँ कर दूं मैं खुद को के बचे कुछ भी नहीं।

–कमलेश श्रीवास्तव

है ये बहुत पुराना किस्सा

मेरे कॉलेज के दिनों का हिस्सा
सहेलियों के संग था घूमनें जाना
मेरी खुशी का न था कोई ठिकाना

मेरी इक सहेली नें समझाया
खूब अच्छे से सज कर आना
मिलकर हमें है बिजली गिराना
आज ज़रा हमें भी तो देखे ज़माना

मैं भी खुशी से फूली न समाई
अपनी सबसे सुंदर सलवार–
कमीज पहन इतराई
फिर सोचा आज ज़रा कुछ अलग दिखूँ
बालों को न बाँधू , खुले कर लूँ

बनठन के मैं जैसे ही बाहर आई
माँ नें पीछे से पुकार लगाई
ऐसे सज संवर कर कहाँ चली
बालों को बांध तो ले पगली
मैं बोली.. बस यहीं
माँ अपनी सहेली की गली

माँ नें फिर से मुझको टोका
ऐसे खुले बाल घूमने से रोका
चार लोग देखा करेंगें
जाने क्या क्या सोचा करेंगे

जाओ पहले बाल बाँध कर आओ
फिर घर से बाहर कदम बढ़ाओ
ये सुन मेरा मन मुरझाया
पाबन्दी सुनकर दिल झल्लाया

कोमल मन कुछ समझ न पाया
माँ नें बालों को क्यूँ बँधवाया
बरसों बीते इस घटना को
आज समझ सकती हूँ माँ को

माँ खुले बालों से क्यूँ डरती थी
क्यूँ हर पल मुझे टोका करती थी
बाहर जाने देने से क्यों डरती थी
"बेटी हो तुम" कहकर क्यों रोका करती थी

आज है बस इतनी सी ख़्वाईश
काश कभी वो दिन भी आये
बेटियां निर्भय हो बाहर जा पाएँ
जो जी में आये वैसा कर पाएँ

ना बंदिश लगे खुले बालों पर
न हो रोक कभी भी अरमानों पर...
ना हो रोक कभी भी अरमानों पर...

–रीना सिन्हा
रांची, झारखंड

सिखला दो न पापा

ज़िन्दगी के गणित में मैं बहुत कच्ची हूँ,
मुझे ज़िन्दगी का गणित सिखला दो न पापा।
जोड़, घटाना, गुणा और भाग को,
जीवन में लागू करना बतला दो न पापा।।
मुझे ज़िन्दगी का ....

किस रिश्ते में कितना मिलाना है,
और किस रिश्ते में कितना घटाना है।
व्यावहारिक जीवन में कितना अपनाना है,
व्यवहार में लाना सिखला दो न पापा।।
मुझे ज़िन्दगी का ...

लोग सम्बन्धों के लिए तरसते हैं,
आजकल सच्चे रिश्ते कौन रखते हैं।
हर रिश्ते में मिलावट देख लिया पापा,
अपने जैसा रिश्ता निभाना सिखला दो न पापा।।
मुझे ज़िन्दगी का...

गुणा–भाग और लाभ–हानि के चक्कर में,
अपने रिश्ते सिमटते जा रहे हैं।
खून के रिश्ते भी तो अब कहाँ निभ रहे हैं,
उनको भी निःस्वार्थ प्रेम करना सिखला दो न पापा।।
मुझे ज़िन्दगी का...

यूँ तो फेसबुक और वाट्सएप की दुनिया में,
किसी को किसी की जरूरत महसूस नहीं होती है।
जीवन की खुशियाँ तो अपनों के संग बिताने में है,
अपनों से भी घनिष्ठता करवा दो न पापा।।
मुझे ज़िन्दगी का...

डॉ. मधु मिश्रा
जामनगर, गुजरात'

रोटी

ये रोटी भी न,
कितने खेल खिलाती।
जुगत में रोटी की,
रोटी ही छूट जाती।
रोटी कमाने घर–बदर हुए,
छूटा अपनों का साथ।
छूटी वो गलियाँ,
छूटे बाग बगीचे अपने,
छूटी खेत की पगडंडियाँ,
छूटी माटी की सोंधी खुशबू।
छूटे कितने संगी साथी,
छूटी वो कजरारी आँखे,
जिसमें डूबे उतराए थे।
छूटी वो उपले वाली,
आंच पर सिंकी रोटियाँ।
जिसे करारी सेंकने में,
जल जाती थी अकसर
माँ की उंगलियाँ।
सच!!!
बहुत याद आई आज,
वही गोल फूली रोटियाँ।
बस गया परदेस आके,कि,
चूल्हे की आंच ठंडी न हो,
थाली में रोटी कम न हो।
इसलिए अब खा रहा वह,
केरोसिन स्टोव पर सिंकी,
बेस्वाद कच्ची–पक्की रोटियाँ।।

रश्मि सिंह,
राँची, झारखंड

अन्नपूर्णा

जन्म लिया जिस दिन तूने
पराधीन की छाप लग जाती
आश्रित रहती आजीवन वह
पिता, पति और पुत्र की दासी

ना होता संपत्ति पर अधिकार
दिन–रात सबसे ज्यादा खटती
दिया गयाअन्नपूर्णा का नाम उसे
कुनबे की लगाम संभाले रहती।

घुँघट के भीतर घुटती सिसकियाँ
होता हर उम्र के पढ़ाव पर पहरा
जिस घर को संवारते नहीं थकती
होता धुंध वहीं जीवन में गहरा।

रखी जाती रही शिक्षा से बँचित
उसका स्वच्छँद न जग को भाता
सील, लज्जा बनाए गए गहने
कुटुम्ब दायित्वों में जीवन बीतता।

सिर्फ परिवार दायित्व पूर्ति करने
इस जग में तू नहीं आई
अपने बंधन खुद तोड़ने होंगे
जिस भ्रम में अब तक तू जीती आई।

सुनीता मुखर्जी
गाजियाबाद उत्तर प्रदेश

महंगाई

पत्नी – चलो ना आज थोड़ा रूमानी हो जाएं
वक्त निकाले एक दूजे के लिए
कहीं घूम कर हम आएं
शॉपिंग करें, पिक्चर देखें
फिर लॉन्ग– ड्राइव पर जाएं
लेकर हाथों में हाथ
एक– दूजे की आंखों में खो जाएं...

दिनभर करें खूब सैर– सपाटा
झूमे नाचें गाएं
फाइव स्टार होटल में
फिर हम डिनर करने जाएं ...

पति –सुनो प्रिये , तुम प्राणप्रिया हो
तुम पर हम अपनी जान लुटाएं
मगर महंगाई के इस दौर में
यह फरमाइश कैसे पूरी कर पाएं ?

खाली पेट गाड़ी का भी है
यह हम कैसे तुम्हें बताएं ?
बढें हैं दाम पेट्रोल– डीजल के भी
कैसे गाड़ी में भरवाएं ?

बिजली भी कट गई है
बिल ना भरने पाया हूं
कैसे कहूं 'महंगाई' के इस दौर में
क्या खोया क्या पाया हूं ?

अभी तो बस यही है कहना –
सुन लो चित् लगाए
महीने का आखिर है
कहां से फाइव–स्टार हम जाएं?
कैंडल जलाकर कैंडल– लाइट में
खिचड़ी का डिनर करके
हम अपनी भूख मिटाएं ...

आंखों में पीड़ा है
पर वह हौले से मुस्काई है,
आज फिर उसने कृ
एक समझदार पत्नी की भूमिका निभाई है

मन में लेकर सपने फाइव स्टार के
बरामदे में एक बार फिर
बिछी चटाई है
मंहगाई की मार यही है
यही आज की सच्चाई है!!!

सरोज गर्ग 'रत्नप्रभा'
रांची , झारखंड

क्योंकि मैं हूं फोर्टी प्लस

गिले–शिकवे यादें वादे
तुनक मिजाजी कि वह रातें
कर दिए हमने फ्लैश
क्योंकि मैं हूं फोर्टी प्लस

खुद ही मंजिल गढ़ती हूं
सूनी राहों पर चलती हूं
रोज नया सवेरा लेकर
अपने सूरज से मिलती हूं

मुश्किले चाहे कुछ भी हो
सुलझा लेती हूं मैं बस
नहीं अब कहती नहीं अब सुनती
क्योंकि मैं हूं फोर्टी प्लस

कुछ समय खुद से निकाल
ठहाके लगाऊं सखियों संग
गृहस्थी की खोल अब जाल
जीवन में मैं घोलू रंग

लिखने का शौक था मुझको
लिखकर घोलूं जीवन में रस
छोड़ दिया अब दुनियादारी
क्योंकि मैं हूं फोर्टी प्लस

–रेखा पाण्डेय
रांची, झारखंड

बेचारी चिड़िया

हमारे बचपन में अक्सर
घर में चिड़ियाँ आती थी
फुदक –फुदक कर पूरे घर में
घूम–घूम चहचहाती थी

ड्राइंग रूम के पंखे के ऊपर
अपना घोंसला वह बनाती थी
थोड़ी सी आवाज करो तो
झट से वह उड़ जाती थी

चिड़िया को घर आया देख
पंखे हम बंद कर देते थे
उसकी अठखेलिया देख देख
सुख का आनंद हम लेते थे

लगी मोबाइल के असंख्य टावर
और इस प्रगति की दौड़ में
देती नहीं दिखाई चिड़िया
दूर–दूर तक की छोर में

इस बढ़ते हुए प्रदूषण का कहर
बेचारी चिड़िया सह नहीं पाई
अपने दिल की बात किसी से
वह जाते जाते कह नहीं पाई!

–आभा चौहान
अहमदाबाद, गुजरात

मोबाईल

हांथो ने अब किताबों की जगह
लेली एक अनुठी उपयंत्र,
साथ ना हो तो खालीपन आता
दुनिया है सिमटी उसमे सर्वत्र।

दुख –सुख आसक्ति– विरक्ति।
तर्क– व्यंजना की कहानियों से भरी,
यह अनुठी इंद्रधनुषी किताब
'मोबाईल'
चौपाल की बतियां और घूंघट की वर्जनाओं को, तोड़कर बहती पनिहारीनो की हंसी,
गली मोहल्लों के अल्लम गल्लम खेलऔर चैती, रसिया,फाग,मल्हार के सूरों से सराबोर आंगन का नीम सबकुछ,
ये रंग आजकल एक ही किताब में है
वो है मोबाईल।
जिसके खाते में दर्द है दोस्ती का आभास देते सच्चे झूठे चेहरे।
जिसकी दीवारों पर चस्पा है इदं ,अहम परम ,अहम से पुर्ण मन और जिसके पन्नों पर खींची है भय और बहस की समय रेखा।
सुख–दुख प्रेम भरी रचना ,धर्मिता ,कला कविता ,कहानी फोटोग्राफी, समीक्षा आंदोलन खबरें गॉसिप गुटबाजी सब कुछ इंस्टेंट ।अजीब सा नशा है इसमें नशा सा नशा ही तो है इस कदर नशा एक भी पल इसके बिना रहना मुश्किल लगता है।

–सुनीता श्रीवास्तव,जागृति

नाश्ता सुवह का

1960 से 1980 तक
सुवह हुई जब खुलती आंखे ,
कर दातून नीम बाली,
बासी रोटी तेल नमक के
साथ चुपड़ कर ही खा ली,
साथ दूध मीठा मीठा,या
चाय भी पीते थे मन भर,
यही नाश्ता काश मिल
सकता जीवन भर,,,

1981 से 2000 तक
देखो कैसे बदल गया है,
सुवह सुवह जलपान,
चाय के साथ मिलने लगा है
अब ब्रेड,पकौड़ा, मिष्ठान,
साथ मे होता सूप टमाटो,
खूब है स्वाद बढ़ाये,
इसी तरह अब देखो ,
नाश्ता भरपेट है खाये,,।।

2001 से 2021,
रूप बदल कर आज नाश्ता,
फैशन के संग आया,
मैगी चाउमीन ओर बर्गर पिज्जा लाया,
फिर भी देखो पेट न भरता,
दिन भर चले नाश्ता,
कभी बने पनीर पराठा,
कभी बने पास्ता,।।।

–गोविन्द कुमार गुप्ता,
मोहम्मदी खीरी
उत्तर प्रदेश

सीता

कभी रानी बनी कभी विरहन बनी
आज अपनी पिया की हैं जोगन बनी!

राह में उग रहे हैं कटिलें भंवर,
अब तो दुःख के सिवा कुछ न आता नजर
रात काली दुशाला लपेटे हुए
री निकल के सिया राम के संग चलीं !!
कभी रानी बनी.....

दंश विधना ने मुझको दिए हैं तो क्या
मूल्य बदले समय से हैं पहले तो क्या
है उचित ये मुझे राम के संग में
मान रखना है पति का यही है रीति!!
कभी रानी बनी.....

है मेरा सब समर्पण श्री राम को
है नमन ये सरयू अवध धाम को,
प्राण जाए मगर बात जाए नहीं
बात रघुकुल की यही सदा है रही!!
कभी रानी बनी कभी .....

फिर ना खनका सकूंगी महलों में चूड़ियां
फिर बढ़े भावनाओं की न दूरियां
इसलिए जिंदगी प्रश्न करती रही
धैर्य रखकर है आहुति को आंजुरी!
कभी रानी बनी कभी विरहन बनी!

–अभिषेक मिश्रा बहराइच
उत्तर प्रदेश

घड़ी विपति की है घहराई

घड़ी विपति की है घहराई,
जन मानस अब हुआ उदास,
पीड़ा हिय कब समझे दाता,
हर आँखों को इसकी आस।

दुख में डूबे है सब प्राणी,
काम काज ठप हुआ है आज ,
बेकारी और महामारी,
यह तो कोढ़ में जैसे खाज।

राग रंग सब भूल गये है,
रोग रहा है पाँव पसार,
ओर छोर ना इसका कोई,
टूट रहे आशा के तार।

समझ न आता क्या मिजाज है?
बूढ़े ,ना ही बचे जवान,
आयी अब बच्चों की बारी,
मुह में आये सबके प्राण।

बड़ी क्रूर यह चाल जटिल है,
करे प्रहार जैसे हो बाज ,
अर्थ, भावना मनःस्थिति अरु,
ललकारे साहस को आज ।

दया करो अब हे करुणानिधि,
तुझको नयना रहे निहार ,
दीनबन्धु हे जग के स्वामी ,
रक्षक सबके तुम करतार।

–डॉ०निधि मिश्रा

आकांक्षा

आकांक्षाएं जीवन को सही ढंग से जीने का लक्ष्य है देती
आकांक्षाएं जीवन में कभी हार न मानने के लिए प्रेरित है करती
आकांक्षाओं के कारण ही तो जीने का मज़ा आता
आकांक्षाओं से ही तो सपने पूरे करने का जज्बा आता
गर कोई आकांशा तू मन में न संजोएगा
उदासीन सा जीवन तेरा यूहीं बीत जाएगा
अलग अलग मोड़ जो जीवन में है आते
आकांक्षाओं के मायने भी संग उनके बदल जाते
पर इक बात याद रखना सदा प्यारे
हावी न होने देना आकांक्षाओं को रिश्तों पर कभी
बिना रिश्तों के पूरी हुई भी आकांक्षाएं तो क्या
किसके संग मनाएगा उनके पूरे होने की खुशी

–नंदिनी लहेजा
रायपुर (छत्तीसगढ़)

आईना है ये सब कुछ बता देता है

आईना कभी झूठ नहीं बोलता है।
सच को हमेशा वही तो तोलता है।

लाख चेहरे पे कोई लगा ले नक़ाब।
आईना देख के सच कहेगा ज़नाब।

मन में क्या है ये चेहरा बता देता है।
दिल में जो है ये माथा बता देता है।

धूल चेहरे पर थी पोछते हैं आईना।
गन्दा शायद यही सोचते हैं आईना।

आईना तो सदा ही ये वही रहता है।
देखने वाले के चेहरे बदल जाता है।

गन्दगी जो जहन में है करें साफ वो।
चेहरा चमके खुदी दिल जोसाफ हो।

शीशे के घरमें रहते पत्थर न मारिये।
दूसरों के घरों को भी तो ना तोड़िये।

गूँगा दर्पण यह होता दिखाता है सच।
देखने वाला तो सब समझता है सच।

जिन्दा हैं दिलों को दिलों से जोड़िये।
नफ़रतों को दिलों से ये अब छोड़िये।

आईना सामने रख खुद से ही पूछिए।
क्या सही क्या ३

डॉ.विनय कुमार श्रीवास्तव
वरिष्ठ प्रवक्ता
पी बी कालेज,
प्रतापगढ़ सिटी, उ.प्र.

पानी

पानी नहीं तो कुछ नहीं,
पानी बिना जीवन नहीं।
कीमत को तुम पहचानो,
पानी ही जीवन जानो।।

बरखा के पानी को रोको,
ताल –तलैया बनवाओ।
एक –एक बूंद पानी को,
सोच समझकर खर्चाओ।।

साफ–शुद्ध पानी से ही,
जीवन नैया चलती जाए।
गंदा विषैला पानी तो बस,
बीमारियाँ लेकर के आए।।

पेड़–पौधे हमें लगाने हैं,
वसुंधरा को बचाना है।
चारों और हरियाली होगी,
समय–समय पर बारिश होगी।।

कुएँ–बावड़ी सूख रहे हैं,
हम सब बेबस देख रहे हैं।
जलस्तर को बचाना होगा,
सबको आगे आना होगा।।

सरला विजय सिंह 'सरल'
चेन्नई

भूला इंसान

बड़ा अजीब सा लगता है
कि हम विकास के पथ पर
आगे बढ़ रहे हैं,
आधुनिकता को विकास का
पैमाना मान रहे हैं,
पर हम अपनी ही संस्कृति
सभ्यता और परम्पराओं से भी
दूर हुए जा रहे हैं,
मगर अफसोस तक भी
नहीं कर रहे हैं।
अफसोस करें भी तो कैसे करें?
जब हम इंसानियत और
संवेदनाओं से बहुत दूर जा रहे हैं।
शिक्षा का स्तर बढ़ा
रहन सहन का स्तर भी,
परंतु बहुत शर्मनाक है कि
हमारी संवेनशीलता का स्तर
लगातार गिर रहा है,
गैरों के लिए तो किसी को
जैसे दर्द ही नहीं हो रहा है,
अपनों के लिए भी अब इंसान
लगता जैसे गैर हो रहा है।
इंसान इंसानियत भूल रहा
सच कहूँ तो ऐसा
बिल्कुल नहीं है,
बल्कि सच तो ये है कि
इंसान शायद भूल रहा है कि
वो भी एक अदद इंसान है।

–सुधीर श्रीवास्तव
गोण्डा, उ.प्र.

रोटी

जग में प्रेम की प्रकाष्ठा रोटी बनी,
कठिन राहों से गुजरी माटी से सनी,

खेतों से निकली हाटों में बिकी,
चक्की में पीसी अंगारों में सिकी,

हर जुल्म सह कर मुस्कुराती हुई,
आई खुशबू का इतर लगाती हुई,

देख रोटी की सूरत मन आह्लादित हुआ,
ये है खुदा की दी हुई अनमोल दुआ ,

दांत बाराती बने जीभ की डोली सजी,
उदर में उसका गृहप्रवेश हुआ,

मेरे होठों को चूम वह मुस्कुराने लगी,
धीरे धीरे वह मुझमें समाने लगी,

मेरी तपस्या अनूठी उसका प्रेम है अनूठा,
उसके सामने धन दौलत सम्मान सब है झूठा।

–मंजू भारद्वाज
रांची, झारखंड

मुरझाता बचपन

चारों ओर खुला है मैदान, झरोखे से झांक रहा बालमन।
नीला– नीला आसमान, बच्चों के पीड़ित सांसें– धड़कन।
घर के चार दीवारों बीच, उंगलियों से फेरता यंत्र।
नैनों की कोर है गीली,और निहार रहा सूनापन।

किसे सुनाए अपनी व्यथा, बालकनी कोने में सिसकता मन।
जब बारिश की आती रिमझिम बूंदें,हृदय छिपी शैलजा जाती उफन,
ना किसी का आना ,न किसी से मिलने जाना।
भय का बना वातावरण,नहीं दिख रहा नटखट पन ।

विद्यालय की यादें बालपटल पर,चीख रहा उनका लड़कपन।
बेड़ियों से जकड़ता बाल्यवस्था,गृह में सजाया गया उपकरण।
शिक्षालय प्रांगण में जाना ,साथियों संग भी खेलना।
हे प्रभु! करो ऐसा चमत्कार ,खिल जाए मुरझाता बचपन।

खुशबू बरनवाल 'सीपी'
राँची , झारखंड

रुसवाई

मेरी रुसवाई हुई, तुम्हें कहाँ परवाह।
देखी बस अपनी खुशी, चले सदा उस राह।।

अपनी चाहत की तुम्हें, रही खूब पहचान।
किंतु नहीं सोचा कभी, क्या मेरे अरमान।।

ढूँढूँ तेरे संग मैं, खुशियों का संसार।
तूने मेरे संग ही, सदा किया तकरार।।

जीवन में अब हो गए, कैसे ये हालात।
भूलूँ बोलो किस तरह, रुसवाई की बात।।

रुसवा होकर मैं चली, हृदय दबाए प्रीत।
बन न सके मेरे कभी, तुम सच्चे मनमीत।।

रूणा रश्मि "दीप्त"
राँची , झारखंड

प्रदेश में कोविड वैक्सीन की 7,33,810 खुराकें उपलब्ध

शिमला, हिमालयन अपडेट

स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि प्रदेश में 18 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के लोग भारी संख्या में टीकाकरण के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि गत 21 जून, 2021 को प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर द्वारा इस आयु वर्ग के लिए निःशुल्क टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया था।

प्रवक्ता ने कहा कि इस अभियान के अन्तर्गत प्रदेश में प्रतिदिन लगभग एक लाख से अधिक पात्र लाभार्थियों का टीकाकरण करने की योजना बनाई है, जिसके अन्तर्गत 21 जून, 2021 के दिन ही एक लाख से अधिक लोगों का टीकाकरण किया गया था। उन्होंने कहा कि कोविन पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में 22 जून, 2021 (मंगलवार) के दिन सायं 4 बजे तक 1,08,000 से अधिक लाभार्थियों ने अपना टीकाकरण करवाया है।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार की ओर से पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध करवाई जा रही है और राज्य में कोविड वैक्सीन की लगभग 7,33,810 खुराकें उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि बुधवार के दिन भी 18–44 वर्ष के आयु वर्ग के लिए टीकाकरण सत्र का आयोजन किया जाएगा। प्रवक्ता ने कहा कि प्राथमिकता समूहों वाले लाभार्थी, 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों को वैक्सीन की दूसरी खुराक लगाने के लिए वीरवार, शुक्रवार और शनिवार को वैक्सीन सत्र आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने सभी लोगों से आग्रह किया है कि टीकाकरण के बाद भी वे कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन करते रहें।

सुप्रीम कोर्ट के सभी राज्य शिक्षा बोर्डों को आदेश, सभी राज्य 31 जुलाई तक घोषित करें 12वीं का रिजल्ट

● 10 दिनों में जारी करें मूल्यांकन स्कीम ● सभी राज्यों में एक जैसे नियम नहीं हो सकते

नई दिल्ली, हिमालयन अपडेट

कोरोना संकट के चलते देश में ज्यादातर राज्य सरकारों ने बोर्ड परीक्षाएं रद्द कर दी हैं, लेकिन बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम अभी तक लंबित है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्य शिक्षा बोर्डों को आदेश दिया है कि वे 31 जुलाई से पहले 12वीं परीक्षा के परिणाम घोषित कर दें। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि जिन राज्यों ने अभी तक आंतरिक मूल्यांकन की कोई योजना तैयार नहीं की है, उनके पास 10 दिन का समय है। वे राज्य शिक्षा बोर्ड तत्काल 12वीं बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट तैयार कर घोषित करें। इससे पहले कोर्ट ने पूरे भारत में सभी राज्यों के बोर्डों के लिए मूल्यांकन की एक जैसी स्कीम बनाने के संबंध में आदेश पारित करने से इनकार कर दिया।

कोर्ट ने कहा कि राज्य और उनके बोर्ड अपनी नीति बनाने को स्वतंत्र और स्वायत्त हैं। इसलिए उनके अधिकार क्षेत्र में दखल नहीं देंगे। शीर्ष अदालत ने कहा कि सभी राज्य बोर्ड सीबीएसई और आईसीएसई की तरह तय समयावधि में 31 जुलाई तक रिजल्ट घोषित करें।

जस्टिस एएम खानविलकर और दिनेश माहेश्वरी की पीठ एडवोकेट अनुभा सहाय श्रीवास्तव की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें राज्य बोर्डों की 12वीं की परीक्षा रद्द करने की मांग की गई थी। आंध्र प्रदेश सरकार के 12वीं की परीक्षा कराने (जुलाई में संभावित) के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार के पास इसकी स्पष्ट योजना होनी चाहिए। हम कैसे छात्रों की जिंदगियों से खेल सकते हैं।

150 भाजपा कार्यकर्ताओं पर छिड़का सैनिटाइजर, फिर किया टीएमसी में शामिल

पश्चिम बंगाल, हिमालयन अपडेट

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में गुरुवार को भाजपा के करीब 150 कार्यकर्ताओं पर तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेताओं ने पहले सैनिटाइजर का छिड़काव किया। इसके बाद उन्हें तृणमूल कांग्रेस में शामिल कर लिया गया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के प्रखंड स्तर के सदस्य दुलाल राय ने बताया कि इलामबाजार में एक मंच बनाया गया था, जहां भगवा पार्टी के कार्यकर्ताओं पर सैनिटाइजर का छिड़काव किया गया। इसके बाद स्थानीय नेताओं ने उन्हें तृणमूल का झंडा थमाया।

राय ने कहा, 'भाजपा के लिए जो कार्य कर रहे थे, वे वायरस से संक्रमित हो गए थे। उन्हें वापस लेने से पहले हमें यह सुनिश्चित करना पड़ा कि वे संक्रमणरहित हो जाएं, क्योंकि हमारा लक्ष्य वायरस से मुक्ति पाना है।' वहीं, भाजपा के जिलाध्यक्ष ध्रुव साहा ने दावा किया कि उनके पार्टी कार्यकर्ताओं को तृणमूल कांग्रेस में शामिल करने के लिए उनके साथ जोर जबरदस्ती की गई। उन्होंने कहा कि कोई भी अपनी मर्जी से भाजपा से तृणमूल में नहीं गया। साहा ने कहा कि चुनाव बाद हिंसा के आरोपों से बचने के प्रयास के तहत तृणमूल नेता ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं और भाजपा कार्यकर्ताओं को टीएमसी में शामिल होने के लिए मजबूर कर रहे हैं। बता दें कि दो दिन पहले हुगली जिले में 200 भाजपा कार्यकर्ता टीएमसी में शामिल हुए थे। हालांकि, कार्यक्रम के दौरान विधानसभा चुनाव से पहले भगवा दल में चले जाने के पाप से मुक्ति के लिए उन्हें सिर मुड़वाना पड़ा था।

एसपी से मिलीं ओशिन, अभी एफआईआर पर निर्णय नहीं

धर्मशाला, हिमालयन अपडेट

विधायक विशाल नैहरिया की पत्नी ओशिन शर्मा ने शनिवार देर शाम एसपी कांगड़ा विमुक्त रंजन से उनके कार्यालय में लंबी बातचीत की। एसपी ने बताया कि ओशिन ने अपने अपने पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने का निर्णय अभी नहीं लिया है। ऐसे में माना जा रहा है कि विधायक नैहरिया का भविष्य अब उनकी पत्नी पर टिक गया है कि वह उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाती हैं या नहीं। हालांकि इस बीच सियासी चर्चा यह भी है कि पति–पत्नी के बीच समझौते को उच्च स्तरीय प्रयास जारी हैं।

टीकाकरण का ब्योरा न देने पर नपेंगे अफसर

शिमला, हिमालयन अपडेट

जिले के निजी स्कूलों का कोरोना टीकाकरण संबंधित ब्योरा न भेजने वाले चार खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी नपेंगे। इस संदर्भ में प्रारंभिक शिक्षा विभाग की ओर से दिशा–निर्देश जारी कर दिए हैं। विभाग ने अब इन चार खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों को 24 घंटों की मोहलत दी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस मोहलत में खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी जानकारी नहीं भेजते हैं तो उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी कर दिए जाएंगे।

जानकारी के मुताबिक शिक्षा खंड सिहुंता, बनीखेत, मैहला प्रथम और सुंडला के खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों ने निजी स्कूलों का कोरोना टीकाकरण संबंधित ब्योरा नहीं भेजा है। ऐसे में विभाग को काफी दिक्कत हो रही है। गौरतलब है कि कोरोना की दूसरी लहर पर नियंत्रण के बाद अब सरकार स्कूलों को खोलने की तैयारी में है। सरकार की ओर से निजी स्कूलों में तैनात स्टाफ का टीकाकरण करना अनिवार्य किया गया है।

अगर किसी निजी स्कूल के स्टाफ का कोई सदस्य बिना टीकाकरण के ड्यूटी पर आता है तो स्कूल बंद करने का भी प्रावधान है। जिला प्रशासन की ओर से यह जानकारी शिक्षा विभाग से मांगी गई थी और विभाग ने खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों से यह जानकारी बिना विलंब मांगी थी लेकिन, चार खंडों से यह ब्योरा नहीं पहुंचा है।

उप जिला शिक्षा अधिकारी हितेंद्र कुमार ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि जिले के चार शिक्षा खंडों से निजी स्कूलों का कोरोना टीकाकरण संबंधित ब्योरा नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा कि इन खंडों को अंतिम मोहलत जारी कर दी गई है। कहा कि अगर 24 घंटे में यह ब्योरा उपलब्ध नहीं होता है तो संबंधित खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे।

हमीरपुर में वैक्सीनेशन अभियान ने पकड़ी रफ्तार

हमीरपुर, हिमालयन अपडेट

हमीरपुर जिला में 18 से 44 आयु वर्ग के टीकाकरण कार्य ने काफी रफ्तार पकड़ ली है। 25 जून की शाम तक के आंकड़ों के अनुसार जिला हमीरपुर में इस आयु वर्ग के 44,852 लोगों को टीके लगाए जा चुके थे। 26 जून को भी इस आयु वर्ग के लोगों को 68 स्थानों पर टीके लगाए जा रहे हैं, जिससे यह आंकड़ा 50 हजार से ऊपर जाने का अनुमान है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. आरके अग्निहोत्री ने बताया कि 18–44 आयु वर्ग के टीकाकरण के लिए 21 जून से आरंभ किए गए विशेष अभियान के चार दिनों के दौरान ही जिला में साढ़े 27 हजार से अधिक टीके लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि 21 जून को इस आयु वर्ग के 6646 लोगों ने, 22 जून को 6945, 23 जून को 7687 और 25 जून को 6298 लोगों ने टीके लगवाए। उधर, उपायुक्त देवश्वेता बनिक ने बताया कि कोरोना रोधी वैक्सीनेशन अभियान में हमीरपुर जिला का प्रदर्शन बहुत ही सराहनीय रहा है। जिला में स्वास्थ्य विभाग की टीमें टीकाकरण कार्य को बखूबी अंजाम दे रही हैं।

25 जून शाम तक जिला में कोरोना रोधी वैक्सीन की 2,52,628 खुराक लगाई जा चुकी थीं। इनमें 18 से 44 आयु वर्ग के लोगों की संख्या भी 44,852 तक पहुंच चुकी थी। जबकि दोनों खुराक लगवाने वालों की संख्या भी 38,790 हो चुकी थी। उपायुक्त ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के लिए ऑनलाइन बुकिंग की अनिवार्यता खत्म होने से टीकाकरण अभियान में और भी तेजी आई है। विशेषकर युवाओं में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। सभी टीकाकरण केंद्रों पर व्यवस्था बनाए रखने तथा कोरोना संबंधी नियमों की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए भी पर्याप्त प्रबंध किए गए हैं।

फ्रांस के राफेल का नया रिकार्ड; बिना रुके 12 घंटे तक उड़ा, 17 हजार किमी की दूरी तय की

नई दिल्ली, हिमालयन अपडेट

राफेल लड़ाकू विमान ने बिना रुके 12 घंटे तक उड़ान भरकर नया रिकार्ड कायम किया है। इस फ्रांसीसी लड़ाकू विमान ने प्रशांत महासागर में स्थित एयरबेस की यात्रा के दौरान 12 घंटे में 17000 किलोमीटर की दूरी तय की। आज से पहले कोई भी राफेल विमान इतनी दूरी तक बिना रुके यात्रा नहीं कर पाया है। इससे पहले फ्रांस से भारत की 6700 किलोमीटर की दूरी राफेल लड़ाकू विमान बिना रूके तय कर चुके हैं। फ्रांसीसी वायुसेना के एयर टू एयर रिफ्यूलिंग ऑपरेटर मेजर पियरिक ने बताया कि हम यूरोप के एकमात्र ऐसे देश हैं, जो हमारे ठिकानों से 17000 किलोमीटर की दूरी तक ऐसी उड़ान भरने में सक्षम हैं।

राफेल विमानों ने यह दूरी कैलिफोर्निया से उड़कर दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित फ्रांसीसी एयरबेस ताहिती तक पहुंचने के दौरान तय की है। इस दौरान राफेल विमान में हवा में ही सात बार ईंधन भरा गया। फ्रांसीसी मीडिया के अनुसार, ताहिती जाने के लिए तीन राफेल लड़ाकू विमानों सहित फ्रांसीसी वायुसेना के सात विमानों ने फ्रांस से उड़ान भरी थी। पहली बार की उड़ान में वे अमरीका के कैलिफोर्निया स्थित एयरबेस पर पहुंचे। यहां से दूसरी बार की उड़ान में उन्होंने रिकार्ड बनाते हुए ताहिती में सुरक्षित लैंडिंग की। इस रिकार्ड उड़ान के दौरान राफेल लड़ाकू विमान में सात बार एयर टू एयर रिफ्यूलिंग की गई। राफेल के जरिए फ्रांस इंडो पैसिफिक क्षेत्र में अपना ताकत दिखा रहा है। फ्रांस से बाहर भी इस देश के कई सैन्य ठिकाने रणनीतिक स्थानों पर बने हुए हैं। ये विमान उन जगहों से उड़ान भरकर पूरी दुनिया में निगरानी रखते हैं।

जोगिंद्रनगर की पंचायत टिकरू में दर्दनाक हादसा; बेटे को बचाने चैकडैम में कूदी मां, दोनों की मौत

जोगिन्द्रनगर, हिमालयन अपडेट

उपमंडल जोगिंद्रनगर के अंतर्गत ग्राम पंचायत टिकरू में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में एक मां चैकडैम में डूब रहे अपने बेटे को बचाने के लिए पानी में कूद गई, लेकिन उसे बचा नहीं पाई और खुद भी डूब गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार टिकरू पंचायत के चांदणी गांव निवासी अच्छर सिंह के आफिस जाने के बाद 38 वर्षीय रज्जा देवी अपने नौ वर्षीय बेटे अभिषेक के साथ खेतों में काम करने के लिए जा रही थी। घर के समीप ही नाले पर बने चैकडैम को पार करते समय बेटे अभिषेक का पांव फिसल गया और वह चैकडैम में गिर गया।

उसे बचाने के लिए रज्जा देवी ने भी पानी में छलांग लगा दी, लेकिन तैरना न जानने तथा पानी गहरा होने के चलते वह भी पानी में डूब गई। जैसे ही इस घटना के बारे में आस पड़ोस के लोगों को पता चला, तो उन्होंने दोनों को गंभीर हालत में डैम से बाहर निकाला। मां–बेटे दोनों को गंभीर हालत में सिविल अस्पताल जोगिंद्रनगर पहुंचाया गया, लेकिन वहां पर डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मां–बेटे की एक साथ मौत से परिजनों सहित गांव में मातम का माहौल है। मां–बेटे दोनों के शवों को पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

दूरवर्ती क्षेत्रों में कनेक्टिविटी दुरूस्त करे केंद्र, सीजेआई की सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री से अपील

नई दिल्ली, हिमालयन अपडेट

उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमन ने देश के सुदूर इलाकों में खराब कनेक्टिवटी के कारण न्यायिक डिलीवरी प्रणाली के बुरी तरह प्रभावित होने का हवाला देते हुए विधि एवं न्याय तथा इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रवि शंकर प्रसाद से हस्तक्षेप की अपील की है।

न्यायमूर्ति रमन ने शनिवार को एक पुस्तक विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए इस बात का खुलासा किया कि खराब कनेक्टिविटी के कारण ग्रामीण, आदिवासी और पहाड़ी इलाकों में न्यायिक डिलीवरी प्रणाली की गति बुरी तरह प्रभावित हुई है। साथ ही देश के हजारों नए वकीलों की आजीविका प्रभावित हुई है तथा इसके मद्देनजर उन्होंने श्री प्रसाद को पत्र लिखकर उनसे डिजिटल की दृष्टि से महानगरों और ग्रामीण एवं सुदूर इलाकों के बीच के अंतर को पाटने की पहल का अनुरोध किया है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक अनिल कुमार जम्वाल द्वारा ग्राम शाहल, डाकघर भौंट, तहसील व जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित एवं सिग्मा प्रिंटर, ब्लॉक नं 6, शॉप नं 170, एसडीए कॉम्पलेक्स, कसुम्पटी, शिमला–171009 से मुद्रित।
सम्पादक : अनिल कुमार जम्वाल। हिमालयन अपडेट से सम्बन्धित सभी मामलों का निपटारा न्यायिक अधिकार क्षेत्र शिमला में ही होगा। फोन नं. 7018631199, email: himalayanupdate@gmail.com